

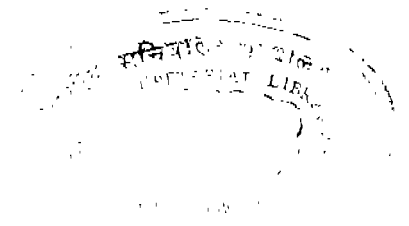


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

आधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 215]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 6, 1990/ज्येष्ठ 16, 1912

No. 215]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 6, 1990/JYAISTHA 16, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

श्रम मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 1990

रा.पत्र नि. 550 (अ).--कोयला खान विनियम, 1957 का और संशोधन करने के लिए कुछ विनियमों का एक प्रारूप खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 59 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं. बी.आ. 792, तारीख 23 जून, 1988 और का.आ. सं. 787 (अ), तारीख 15 जुलाई, 1988 के अधीन, भारत के राजपत्र असाधारण, भाग 2 खंड 3 उपखंड (i), तारीख 23 जून, 1988 तथा भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 2, खण्ड 3(i), तारीख 15 जुलाई, 1988 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन शर्तिकाओं से उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि के अन्तर्गत एक आक्षेप और गुणात्र मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी।

और उक्त राजपत्र तारीख 1 अगस्त, 1988 और 23 अक्टूबर, 1988 को जलता को उपलब्ध करा दिया गया था।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप के संशोधन में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार धार किया है।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 57 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 59 की उपधारा (4) की अधीनतुसार उक्त प्रारूप को उक्त अधिनियम के अधीन गठित समिति को निर्देशित करने और उसे, उक्त विनियमों को बनाने की समीचीनता और उपयुक्तता पर रिपोर्ट करने का युक्तिवुक्त अवसर देने के पश्चात् कोयला खान विनियम, 1957 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनती है अर्थात् :-

(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम कोयला खान संशोधन विनियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कोयला खान विनियम, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया है) के विनियम 2 के खण्ड (34) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतः स्थापित किया जायगा, अर्थात् :-

“(34क) खूदई में ऐसा उल्लंघन अभिप्रेत है जो किसी खान में कोयले का पतल लगाने या कोयला अभिप्राप्त करने के लिए किया गया है या किया जा रहा है।”

3. उक्त विनियमों के विनियम 11 के उपविनियम (10) के पश्चात् निम्नलिखित परमक अंतः स्थापित किया जायगा, अर्थात् :-

“परन्तु यदि किसी बैठक में यथापूर्वोक्त गणपूर्ति नहीं है तो बैठक स्वतः ही नात त्रित पश्चात् की तारीख को या यदि उक्त दिन

सार्वजनिक छूटी है तो अपने कार्य विभाग के लिए स्थिति को अपनी और स्थिति बैठक के लिए समय, स्थान और कार्यसूची अपरिवर्तित रहेंगे। ऐसी बैठक में इस बात को विचार में लाये बिना कि उसमें किसी सदस्य का विरोध है, काम का निराकरण विधिपूर्ण होगा।"

4. उक्त विनियमों के विनियम 15 में—

(1) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

(2) प्रबन्धक, सर्वेक्षक, ओवरमैन या मरकाट के प्रमाणपत्र हेतु किसी परीक्षा के लिए किसी व्यक्ति को तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक कि उसने किसी पत्रिका प्राप्त बोर्ड की माध्यमिक विद्यालय परीक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण न कर ली हो, और इंजन चालक या विस्फोटकता के प्रमाणपत्र हेतु जब तक वह बोर्ड का यह समाधान न करे कि वह पढ़ा लिखा है।

परन्तु इन उपविनियमों की किसी बात से यह नहीं समझा जाएगा कि उपविनियम के उपबंधों का समाधान न करने पर 1 जनवरी, 1992 को या उसके पूर्व सरकार के प्रमाणपत्र के लिए किसी परीक्षा में बैठने से वह व्यक्ति विवर्जित हो गया है यदि वह पहले ही उक्त प्रमाणपत्र के लिए किसी परीक्षा में प्रवेश पा चुका था।

(2) उपविनियम (2क) का लोप किया जाएगा।

5. उक्त विनियमों के विनियम 20 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"20. प्रमाणपत्र देने के लिए फीस—(1) प्रमाणपत्र देने के लिए प्रत्येक आवेदन की बाबत फीस निम्नलिखित मूल्य के अनुसार दी जाएगी—

(क) प्रथम वर्ग प्रबन्धक के प्रमाणपत्र की दशा में	100 रु.
(ख) द्वितीय वर्ग प्रबन्धक के प्रमाणपत्र की दशा में	75 रु.
(ग) सर्वेक्षक के प्रमाणपत्र की दशा में	50 रु.
(घ) ओवरमैन के प्रमाणपत्र की दशा में	50 रु.
(ङ) मरकाट के प्रमाणपत्र की दशा में	30 रु.
(च) प्रथम वर्ग इंजन चालक के प्रमाणपत्र की दशा में	30 रु.
(छ) द्वितीय वर्ग इंजन चालक के प्रमाणपत्र की दशा में	25 रु.
(ज) विस्फोटकता के प्रमाणपत्र की दशा में	25 रु.
(झ) गैस परीक्षण प्रमाणपत्र की दशा में	25 रु.
(ट) लैम्प चैकर के प्रमाणपत्र की दशा में	25 रु.

(2) निम्नलिखित के जब अर्हता की मूल्य प्रमाणपत्र देने के लिए परीक्षा से पूर्व हो गई है, दशापूर्विक संदत्त फीस का प्रतिकार नहीं किया जाएगा।

6. विनियम 22 में "अनुबंधित" शब्द के स्थान पर "विहित" शब्द रखा जाएगा।

7. उक्त विनियमों के विनियम 25 का लोप किया जाएगा।

8. उक्त विनियमों के विनियम 26 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

"26. प्रबन्धक, सर्वेक्षक, ओवरमैन, मरकाट, इंजन चालक, विस्फोटकता या गैस परीक्षण के प्रमाणपत्र का निम्नलिखित या रद्दकरण (1) यदि प्रादेशिक निरीक्षक की यह राय हो कि प्रबन्धक, सर्वेक्षक ओवरमैन, मरकाट, इंजन चालक, विस्फोटकता या गैस परीक्षण के प्रमाणपत्र का धारक अधम है या अधिनियम अध्याय इन विनियमों के अधीन अपने कर्तव्यों के निष्पादन की अपेक्षा या उनमें कदाचार का दोषी है तो वह उस मामले को बोर्ड की जानकारी में लाएगा। बोर्ड यह अवधारित करने के लिए कि ऐसा व्यक्ति (जिसे इस

इसके पश्चात् अपकारी कहा गया है) ऐसा प्रमाणपत्र धारण किए रखने के लिए योग्य है या नहीं जांच करने के लिए उस निरीक्षक को, जो ऐसे निरीक्षक की पंक्ति में नीचे का नहीं है जिसकी रिपोर्ट पर उक्त राय आधारित थी, लिखित रूप में प्राधिकृत करेगा। जांच प्रारंभ होने से पूर्व बोर्ड, अपकारी को उस मामले का विवरण देगा जिसके संबंध में जांच संस्थान की गई है।

(2) ऐसी जांच के दौरान जांच करने के लिए प्राधिकृत निरीक्षक को सभी सुसंगत दस्तावेज दिए जाएंगे और वह निम्नलिखित को अभिलिखित करेगा :

- (क) ऐसे साक्षी का साक्ष्य जो उक्त राय का आधार है;
- (ख) ऐसा कोई साक्ष्य जो अपकारी देता चाहे;
- (ग) किसी साक्षी का ऐसा साक्ष्य जो अपकारी प्रस्तुत करता चाहे;
- (घ) खान के प्रबन्धक का साक्ष्य; और
- (ङ) कोई अन्य साक्ष्य जो जांच करने वाले निरीक्षक द्वारा आवश्यक या सुसंगत समझा जाए।

जब तक कि अपकारी पर्याप्त सूचना के बावजूद उपस्थित होने में असफल ना रहे, पूर्वोक्त साक्ष्य अपकारी की उपस्थिति में अभिलिखित किया जाएगा और उसे साक्षी (उसके द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों से भिन्न) की प्रतिपरीक्षा करने के लिए युक्तियुक्त अवसर दिया जाएगा। जांच करने वाला निरीक्षक भी अपकारी और साक्षियों की प्रतिस्था कर सकेगा।

(3) जांच करने वाले निरीक्षक अपनी जांच समाप्त होने की तारीख से पंद्रह दिन के भीतर, बोर्ड को अपने निष्कर्षों, जांच के दौरान अभिलिखित साक्ष्य के टिप्पणों और छद्म सुसंगत अभिलेखों सहित अपनी रिपोर्ट भेजेगा।

(4) साक्ष्य संबंधी टिप्पणों और जांच करने वाले निरीक्षक के निष्कर्ष की प्रतियां अपकारी को भी भेजी जाएंगी जो उन प्रतियों को प्रेषण की तारीख की तीस दिन के भीतर बोर्ड को अपना लिखित अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकेगा।

(5) बोर्ड साक्ष्य और अन्य अभिलेखों तथा अपकारी द्वारा प्रस्तुत किए गए लिखित अभ्यावेदन, यदि कोई हों, पर विचार करने के पश्चात् या तो मामले में और जांच कराएगा और तब या अस्थायी अपकारी को उसके विरुद्ध आरोपों से मुक्त करेगा या प्रमाणपत्र को, जैसा वह ठीक समझे, निरस्त या रद्द करेगा।

(6) इस विनियम के अधीन बोर्ड के किसी आवेदन के विरुद्ध अपील आवेदन के 30 दिन के भीतर केन्द्रीय सरकार को की जा सकेगी।

(7) जहां इस विनियम के अधीन प्रमाणपत्र निरस्त या रद्द किया जाता है वहां उस प्रमाणपत्र पर या विनियम 23 के अधीन जारी की गई उसकी प्रति पर उपयुक्त पृष्ठांकन किया जाएगा—

9. उक्त विनियमों के विनियम 31 में, उपविनियम (2) के दूसरे परचुत और "या विनियम 149 का" शब्दों को उपविनियम (3) में आए हैं, का लोप किया जाएगा।

10. उक्त विनियमों के विनियम 32 के पञ्चात् निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

"32क. संवत्तन अधिकारी की अर्हता और नियुक्ति—इस खान में जहां पहली डिग्री का गैसीय संस्तर हो, जिसका औसत उत्पादन 5000 टन से अधिक है या दूसरी अथवा तीसरी डिग्री पर औसत उत्पादन 2500 टन से अधिक है वहां खान के पर्यवेक्षण कार्य में संवत्तन प्रदाता के अनु-रक्षण में प्रबन्धक की सहायता इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार किसी

संवातन अधिकारी द्वारा की जाएगी। यह ऐसा व्यक्ति होगा जो निम्न-लिखित अर्थों में संवातन है :-

- (क) किसी ऐसे खान को दशा में जिसमें पहली डिग्री का गैसीय संस्तर है और जिसका औसत उत्पादन 15,000 टन से अधिक है या किसी ऐसे खान को दशा में जिसमें दूसरी या तीसरी डिग्री का गैसीय संस्तर है और जिसका औसत उत्पादन 10,000 टन से अधिक है, प्रबन्धक का प्रमाणपत्र; और
- (ख) प्रत्येक अन्य मामले में, किसी प्रबन्धक का प्रमाणपत्र या विनियम 16 के उपविनियम (1) के परन्तुष के प्रयोजन के लिए अनु-मोखित खान या खानों संज्ञानियों में कोई डिग्री, डिप्लोमा या प्रमाणपत्र;

परन्तु अहाँ विशेष शर्तें विधान हैं, नहीं प्रादेशिक निरीक्षक, लिखित आदेश द्वारा और उन शर्तों के अधीन जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, इन उपबन्धों के फेरफार में किसी संवातन अधिकारी की नियुक्ति को अनुमति या अपेक्षा कर सकेगा या संवातन अधिकारी को सहायता के लिए उचित व्यक्तियों को नियुक्ति अपेक्षा कर सकेगा जितने प्रादेश में विनिर्दिष्ट किए जाँ;

परन्तु यह और कि किसी ऐसे खान को दशा में जिसमें पहली डिग्री का कोई गैसीय संस्तर है और जिसका औसत उत्पादन 15,000 टन से कम है, प्रादेशिक निरीक्षक उनमें सुरक्षा की प्रकृति और विस्तार पर विचार करने हुए लिखित आदेश द्वारा और उन शर्तों के अधीन जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे विनियम 31क के अधीन नियुक्त संवातन अधिकारी के पद को सुरक्षा अधिकारी के पद के साथ मिलाने के लिए अनुमति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस विनियम के प्रयोजन के लिए, “औसत उत्पादन” से पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान सभी संस्तरों का भूमि के नीचे सक्रिय से कुल उत्पादन का प्रतिमास औसत अभिप्रेत है। अहाँ ज्ञान में विभिन्न डिग्रियों के गैस वाले संस्तर हों वहाँ पूर्वोक्त उत्पादन औसत गैसीयता की उच्चतम डिग्री के संस्तर या संस्तरों से समझा जाएगा।

11. उक्त विनियमों के विनियम 34 के उपविनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

(1) क) उपविनियम (1) के अधीन किसी ओवरलैंड को सौंपा गया जिला वैसे आकार का नहीं होगा और न ही इन विनियमों के अधीन उसके कर्तव्यों से निज कोई प्रतिष्ठित कर्तव्य ऐसा होगा जिससे इन विनियमों के अधीन उनका विहित कर्तव्यों के ठीक होंग निर्बद्ध में कटावट संभाव्य हो और यदि पूर्ववर्ती कर्तव्यों के संबंध में संदेह उत्पन्न होता है तो उसे मुख्य निरीक्षक को विनियम के लिए निर्देशित किया जाएगा।

12. उक्त विनियमों के विनियम 41 के उपविनियम (5) में प्रस्तुत धातु के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

“ऐसी प्रत्येक जाँच का परीक्षण और उसके खण्ड और अहाँ संभव हो, कुर्वटना स्वयं का या के फोटो, जिसमें गोरे वर्णित हों, इस प्रयोजनार्थ रखी गई पुष्ट संदर्भित और जिल्दबन्ध पुस्तक में अभिलिखित किए जाएंगे और उसकी एक प्रति, कुर्वटना के प्रमद दिन के भीतर मुख्य निरीक्षक और प्रादेशिक निरीक्षक को देदी जाएगी।”

13. उक्त विनियमों के विनियम 42क के उपविनियम (2) में “यदि” शब्द के स्थान पर “कितने प्रावधानों में भी विचार, ऊपर विनिर्दिष्ट कर्तव्यों के निज कोई कर्तव्य सुरक्षा अधिकारी को नहीं नीचे जाँचे और अहाँ कहीं जगह रखे जाएँ।

14. उक्त विनियमों के विनियम 42-क के उपविनियम (2) में, “यदि” शब्द के स्थान पर “कितने प्रावधानों में विचार ऊपर विनिर्दिष्ट कर्तव्यों के निज कर्तव्य सुरक्षा अधिकारी को नहीं नीचे जाँचे अहाँ कहीं जगह रखे जाएँ।

15. उक्त विनियमों के विनियम 100 में :-

(i) उपविनियम (1) में “मुखा निरीक्षक” शब्दों के स्थान पर “प्रादेशिक निरीक्षक” शब्द रखे जाएँ।

(ii) उपविनियम (4) का लोप किया जाएगा।

(iii) उपविनियम (5) में “उस जाँच का पर्याप्त कम से कम क्षेत्र जो दृष्टि से बन गई हो” शब्दों के पश्चात् “कितने जाँच विस्फोट या खोले पर बार बारने से उत्पन्न खतरों का सम्यक रूप से वारन रखते हुए” शब्द अंतःस्थापित किए जाएँ।

16. उक्त विनियमों के विनियम 103-क में :-

(क) उपविनियम (1) में विधान परन्तुष के पश्चात् निम्न-लिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“परन्तु यह और कि रजिस्ट्रारों में की गई किसी प्रविष्टि या उसमें किसी प्रविष्टि के न किए जाने से तथा पूर्वापार परन्तुष के अनुसरण से संयुक्त दिए जाने या न दिए जाने से अधिनियम या विनियम, नियम उपविधियों या उसके अधीन किए गए प्रादेशों के किसी व्यक्ति के कार्य और वांछनाएं किसी प्रकार सीमित नहीं होंगी।”

(ख) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

(2) अब रजिस्ट्रार में कोई प्रविष्टि को प्राप्ती होती :-

(क) जब प्रत्येक स्वामी, अधीनकारी और प्रबन्धक को यह ज्ञान-कारो होता समझा जाएगा कि उस प्रविष्टि में इस अंतर्निष्ठ है; और

(ख) उनको एक प्रति ऐसी प्रविष्टि के तीन दिन के भीतर खान के स्वामी, पट्ट पर पन्द्रह दिन से पर्यंत पक्षों के लिए संदर्भित की जाएगी।”

(ग) उपविनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

(4) रजिस्ट्रार :-

(क) खान कार्यालय में अंतिम प्रविष्टि दिए जाने के पश्चात् कम से कम तीन वर्षों अवधि के लिए निरीक्षण के लिए उत्तरदायी रखा जाएगा, और

(ख) प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा या उसकी लिखित मजूरी के सिवाय पूर्वापार पक्षों की तलाश से पूर्व हटाया नहीं जाएगा।”

17. उक्त विनियमों के विनियम 109 में :-

(i) उपविनियम (1) के खण्ड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

(ख) पार्श्व के 10 मीटर के भीतर क्षेत्रों विद्यमान संबंधी खुदाई और सड़क मार्गों का प्रत्येक अंशगत किसी विकास पार्श्व के तुरंत बाहर होगी।

(ii) उपविनियम (2) और उपविनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखे जाएँ, अर्थात् :-

“(2) प्रत्येक ऐसा खान जिसमें भूमि के नीचे खुदाई हो रही है का प्रबंधक उपविनियम (1) में विनिर्दिष्ट किसी संक्रिय के प्रारम्भ से पूर्व और तब भी जब प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा अपेक्षित हो, स्तर के भौतिक संक्रिय शुष्क स्थानीय भूवैज्ञानिक बरतों, कार्य और मंजीकरण की प्रणाली और पूर्व अनुभव का समूह रूप से ध्यान रखते हुए विरचना करेगा और ऐसे व्यवस्थित आलंब नियमों का पालन करेगा, जिनमें खुदाई के प्रत्येक स्थान के संबंध में अलंब के प्रकार का और विनिर्देश तथा उनके बीच अंतराल विनिर्दिष्ट किया गया हो।

- (i) सड़क पथों पर, जिनके अंतर्गत ऐसे स्थान भी बहा मशीनरी का उपयोग कटाई संवहन या लड़ाई के लिए किया जाता है, आलंब ;
- (ii) प्राप्ति (छायादार) को उसके पश्चिम छत बोर्ड या अन्य आलंब ;
- (iii) प्राप्ति का पार्श्वस्थ पक्की, छत बोर्ड या अन्य आलंब ;
- (iv) आलंबों की अंतिम पंक्ति और आसुद्ध,
- (v) दृश्यमानित मेरु और विद्युत पालंब ; और
- (vi) पैक और आसुद्ध :—

परन्तु किसी ऐसा खान का बाबत जहाँ विकास संक्रियाएँ पहले से चल रही हैं वहाँ उपविनियम (1) के खण्ड (ख) और खण्ड (ग) में विनिर्दिष्ट खुदाई के स्थलों के संबंध में व्यवस्थित आलंब नियम, इस उपविनियम के प्रश्न होने की तारीख के 15 दिन अंतर विरचित और प्रवृत्त किए जाएँगे

(3) प्रबंधक, उपविनियम (1) में विनिर्दिष्ट किसी संक्रिय, के प्रारम्भ से कम से कम 30 दिन पूर्व और उपविनियम (3) के परस्पर के अधीन रहते हुए व्यवस्थित आलंब नियमों की एक प्रति प्रादेशिक को प्रस्तुत करेगा, जो किसी भी समय लिखित आदेश द्वारा नियमों में ऐसे उपांतरों की अपेक्षा कर सकेगा जो वह उनमें विनिर्दिष्ट करे

- (iii) यथापूर्वोक्त विरचित और अनुमोदित और “अन्य” शब्दों का जो उपविनियम (4) (में) आए हैं लोप किया जाएगा ;
- (iv) उपविनियम (5) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(6) प्रबंधक निम्नलिखित विनिर्दिष्ट करते हुए स्थायी आलंबों की कोई संहिता बनाएगा और कार्यान्वित करेगा।

(क) उपयुक्त सामग्री पर्याप्त मजबूती और पर्याप्त मात्रा में आलंब के उपापन और प्रदाय के लिए प्रणाली और संगठन जहाँ से सुकर रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध है।

(ख) हैडालय की पद्धति जिसके अंतर्गत खोलना और समंजन भी है, जहाँ आवश्यक हो, और सतह से आसुद्ध तक और आसुद्ध रेखा से उनके तल स्थलों तक आलंबों का परिवहन ;

(ग) अनुक्रमण के लिए प्रणाली और संगठन और आलंबों की जांच छत और किनारों की देखरी करना, आलंबों का परिनिर्माण, परीक्षा और पुनः कमता तथा विस्थापित आलंबों का जिसके अंतर्गत समुचित योजना भी है पुनः परिनिर्माण करना ;

(घ) किसी नियमित आलंबकर्ता या ड्रैसर के बिगुडी से अनु-पस्थित रहने की बजा में उसके स्थान पर लगाए जाने के लिए मध्यम व्यक्तियों का पैनल ; और

(ङ) सभी संबंधित व्यक्तियों अर्थात् लवान कर्ता ड्रैसर काष्ठकार, विस्फोटकर्ता, संवार, ओवरसेन और सहायक प्रबंधकों को जिनमें बरती के काष्ठकार या ड्रैसर भी हैं, व्यवस्थित अलंब नियमों में और उपविनियम में तथा विनियम 110 के अधीन स्थायी आदेश संहिता और कार्य की प्रकृति से जिसका उस निर्मित प्रत्येक व्यक्ति द्वारा निष्पादन किया जाए पूर्ण रूप से अवगत कराने की नीति।”

18. उक्त विनियमों के विनियम 109 के स्थान पर निम्न-लिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“109. आलंब लगाना — (1) (क) प्रत्येक छायादार सुरक्षित रूप से और मुद्दू नीच पर लगाया जाएगा और छत से कमकर रखा जाएगा।

(ख) जहाँ कोई छायादार बाणू या अन्य अक्ष नामसी पर लगाया गया है,

वहाँ 5 सेंटीमीटर से अन्यून मोटाई, 25 सेंटीमीटर चौड़ाई और 0.75 मीटर लंबाई के किसी सपाट आधार वाले टुकड़े का उपयोग किया जाएगा।

(ग) छायादार पर उपयुक्त दृक्कन की चौड़ाई छायादार के अर्धव्यास से अन्यून मोटाई 8 सेंटीमीटर से अन्यून और लंबाई 30 सेंटीमीटर से अन्यून होगी।

(2) किसी सड़क पथ की छत को आलंब देने के लिए लगाई गई प्रत्येक छड़ सड़क पथ के किनारों पर या सड़क पथ के किनारों में कम से कम 50 सेंटीमीटर गहरे बनाए गए छिद्रों में मजबूती से जड़ी हुई छायादार पर या काम पर या उपयुक्त डिजाइन तथा पर्याप्त मजबूती इस्पात की कैंम्पों पर सुरक्षित रूप से लगाई जाएगी और छत से कमकर रखी जाएगी। जहाँ लैगिंग आवश्यक हो, वहाँ लैगिंग की सख्या, छड़ की प्रत्येक मीटर लंबाई के लिए एक से कम नहीं होगी और लैगिंग को छत में कमकर रखा जाएगा।

(3) (क) आलंब के रूप में प्रयुक्त प्रत्येक काग सुनिमित होगा और प्राकृतिक कर्ष पर या सुरक्षित नीच पर लगा होगा, तथा छत से पर्याप्त निकट रखते हुए कमकर बनाए रखा जाएगा।

(ख) काग के भागों के रूप में केवल आयाताकार टुकड़ों का ही उपयोग किया जाएगा, तथा काष्ठ की बजा में दो आसने-आसने के किनारों को जोड़ना ही पर्याप्त होगा।

(ग) काग के भाग 1.2 मीटर से अन्यून लंबाई के नहीं होंगे

(घ) किसी डिप्लिरींग क्षेत्र में काम पर परिनिर्माण करने से पूर्व प्रत्येक काग के किनारे पर छायादारा का परिनिर्माण किया जाएगा।

(4) मुके हुए संस्तर में आलंब छायादार और काम इस प्रकार लगाए जाएँगे कि संस्तर के मुकताब या सड़क पथ से बाह्य स्तर गति का स्थान रखने हुए अधिकतम आलंब सुनिश्चित किया जा सके।

(5) छत में प्रत्येक कमर और प्रत्येक प्रमुख दरार या स्थल, कम से कम काम के एक जोड़े या उपयुक्त रूप से परिबेडित चार पार छड़ों से आर्सेलित रखी जाएगी।

(6) ऊपर लटके हुए पार्श्वों की नीचे की ओर बरैसी की जाएगी। जहाँ वह साध्य न हो, वहाँ छड़े छादाधार या आलंब के अन्य उपयुक्त साधन एक मीटर से अधिक के अंतरालों पर परिमित किए जाएंगे।

(7) जहाँ आलंब के प्रयोजन के लिए बाग या अन्य सामग्री बुरी हुई है या कोई एक बनाया गया है, वहाँ उसे एक किया जाएगा या छत से उसके संपूर्ण क्षेत्र में यथासाध्य रूप में कटा जाएगा।

(8) (क) छत और पार्श्व तथा आलंबों का प्रायः यथासाध्य परीक्षण किया जाएगा और विधायक के जब आलंब के प्रयोजनों के लिए आवश्यक न हो, कोई आलंब जो किसी सक्रिय में दीला हो गया हो, टूट गया हो या हिल गया हो या हट गया हो तो उसे कम से कम संभव विषय से और विशिष्टतया किसी व्ययधान के पश्चात् व्यक्तियों को गुजरने की अनुज्ञा देने या कार्य पर बाधमान से पूर्व कटा, बदला या अप्रयोजित किया जाएगा। जहाँ तब कोयला या छत कोयला लिया गया है वहाँ लघुतर छादाधार के स्थान पर दीर्घतर छादाधार लगाए जाएंगे।

(ख) ऐसे प्रत्येक स्थान में जिसमें से छत कोयला लिया गया है या छत या पार्श्व गिर गए हैं, न तो गिरे हुए कोयले को या उसके किसी भाग को साफ करने का कार्य किया जाएगा और न ही किसी व्यक्ति को गुजरने की अनुज्ञा दी जाएगी जब तक कि नई खुली छत या समीप के पार्श्वों की परीक्षा नहीं कर ली जाएगी है और यदि आवश्यक हो तो, प्रस्थायी आलंबों द्वारा उन्हें सुरक्षित नहीं कर दिया जाता है।

(9) उपविनियम (8) में किसी बात के होते हुए भी, किसी सरदार या ओवरसीन के पर्यवेक्षण के अधीन न्यूनतम संख्या में उक्त व्यक्ति लगाए जाएंगे जो वहाँ पर छत और पार्श्वों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हों।

(10) जहाँ छत कोष्ठों का आलंब के रूप में उपयोग किया जाता है, वहाँ उन्हें अपने स्थान में सुरक्षित रूप से लगाया जाएगा।

(11) (क) विद्युत आलंब, द्रवचालित छादाधार या तपक छड़ें, कोयला के किसी भाग को पार्श्व से उतार लिए जाने के पश्चात् यथा मध्य प्रसंगत किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आलंब की नवीनतम खुली छत को न्यूनतम रखा गया है।

(ख) विद्युत आलंब, द्रवचालित मेख और छादाधार तथा घर्षण छादाधार सुरक्षित रूप से लगाए जाएंगे और समय-समय पर उनकी जांच की जाएगी। यदि किसी विद्युत आलंब या द्रवचालित मेख में किसी त्रुटि का पता चलता है तो उसकी यथासाध्य मीत्र देखभाल की जाएगी और तब तक के लिए उस स्थान पर छत में पारंपरिक आलंब प्रभावों से लगाए जाएंगे। किसी त्रुटिपूर्ण द्रवचालित या घर्षण छादाधार को तुरंत बदला जाएगा।

(ग) जहाँ छत फर्श या पार्श्वों में किसी अनियमितता के कारण या किसी अन्य कारण से कोई विद्युत आलंब या द्रवचालित मेख प्रभाव-हीन हो जाता है, वहाँ पारंपरिक आलंबों का पर्याप्त मात्रा में उपयोग किया जाएगा।

19. उक्त विनियमों के विनियम 110 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“110 आलंबों को हटाया जाना—जब कभी आलंबों को हटाया जाना हो तो वे उस पद्धति में हटाए जाएंगे जिस प्रवर्धकों के स्थायी आदेशों में विनिर्दिष्ट किया जाएगा। स्थायी आदेश के अंतर्गत निम्न-लिखित होगा—

(क) समुचित औजारों का प्रत्यक्ष और उपयोग तथा सुरक्षा उपाय

(ख) ऐसा छत के जिससे आलंब हटाए जा रहे हैं, वहाँ को रोकने के लिए प्रतिरिक्त आलंबों का लगाया जाना,

(ग) आलंबों को हटाने का वम, उसके किनारे के छादाधार को हटाने से पूर्व किसी काँच को हटाना,

(घ) गंधिया में लगे व्यक्तियों और उसके आग-पाम उपस्थित अन्य सभी व्यक्तियों की सुरक्षित स्थिति,

(ङ) ऐसे सक्षम व्यक्तियों का प्राणक्षण जिन्हें संक्रियाएं सौंप गई हैं, और

(च) आलंब हटाने के दौरान पर्यवेक्षण।

20. उक्त विनियमों के विनियम 118-क में—

(i) उपविनियम (3) के परंतुक खण्ड (ग) में “शेड क्षेत्र” शब्दों के स्थान पर “शेड क्षेत्र और अनुपयुक्त खान” रखे जाएंगे।

(ii) उपविनियम (4) के परंतुक का लोप किया जाएगा।

21. उक्त विनियमों के विनियम 119 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

(1) जब किसी व्यक्ति को धूम्रों या किसी अन्य चिह्न का पता चले, जिससे स्वतः तपने का होना उपदर्शित होना हो, या आग लगने का पता चले जो भूमि पर कोयला निष्कर्षण या किसी कार्यरत निवृत्त खान में या भूमिगत खान के किसी भाग में लग गई है, वह व्यक्ति तुरंत उसके बारे में अपने उच्चतर अधिकारी को सूचना देगा।

(2) किसी निवृत्त खान में या कोयला निष्कर्षण द्वारा टूटी हुई भूमि पर या भूमिगत खान के किसी भाग में कोई ऐसा चिह्न जो यह उपदर्शित करे कि आग लग गई है या लग सकती है या स्वतः तपन हो गया है या हो सकता है, प्रकट होने पर—

(क) उन व्यक्तियों से भिन्न जिनकी उपस्थिति आग या तपन से निपटने के लिए आवश्यक समझी जाए सभी व्यक्तियों को तुरंत निवृत्त खान से या भूमिगत खान से या धरातल के ऐसे भाग से जहाँ उन्हें आग, धुआँ या बाह्य निकली तपन सामग्री से खतरा हो सकता है, तुरंत हटा लिए जाएंगे।

(ख) आग या तपन सामग्री को घटाने और ध्वनि के लिए या आग या तपन का नियंत्रण करने और मुंह बंद करने या अलग करने उसके फैलने से रोकने के लिए आवश्यक तुरन्त पर्याप्त कदम उठाए जाएंगे; और

(ग) भूमि के सींचे आग लगने या तपन की दशा में, विनियम 199 क के अधीन तैयार की गई योजना तुरंत लागू की जाएगी।

(ii) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखे जाएंगे अर्थात् :—

(2) उस सम्पूर्ण अवधि के दौरान जब आग या तपन के संबंध में आरंभ करने या बंद करने का कार्य चल रहा हो तो—

(क) कोई सक्षम व्यक्ति स्थल पर हर समय उपस्थित रहेगा।”

(ख) किसी हानिकार पदार्थ, स्वास्थ्योद्घा या प्रज्वलनशील वैसे, उबाला भाप और गिराई गई या फेंकी गई तप्त सामग्री, जल गैस के विस्फोट और विदारका में गिरने वाली या जलज गंधिका, जो आग लगने के जल में हो सकती है, से व्यक्तिगत वाहन जलने जाया को रोकने के लिए पर्याप्त पुर्वाधानियाँ करनी जाएंगी।

(ग) भूमिगत सभी स्थानों पर या उसके निकट—

- (i) पर्याप्त संख्या में व्यवसायकारक और कम से कम दो भूमा विरक्षण या अन्य उपयुक्त साधन आधानकाल में प्रयोग के लिए रखे जाएंगे ;
- (ii) उपयुक्त पदियों से युक्त पिजरा या कार्बन मोनोक्साइड गैस का पता लगाने के लिए मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित अन्य साधन रखे जाएंगे ; और
- (iii) एक ली वाली सुरक्षा लैप या कार्बनडाईऑक्साइड गैस का पता लगाने के लिए मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित अन्य साधन उपलब्ध रखे जाएंगे ।

(3) प्रत्येक खान का प्रबंधक किसी तपन या आग के निवारण, पता लगाने, कार्रवाई करने और नियंत्रण के लिए, आग या तपन को नियंत्रित या विलगाव करने के लिए और उक्त संक्रियाओं में लगे व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, उपयुक्त अग्निशमन प्रबंधों की व्यवस्था करने और उनके अनुरक्षण के लिए, एक विस्तृत स्वीम तैयार करेगा और स्थापना करेगा । स्कीम परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त रूप से उपांतरित की जाएगी और अद्यतन रखी जाएगी ।

22. उक्त विनियमों के विनियम 120 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“120. अग्निशामक उपस्कर और संगठन :

(1) प्रत्येक खान में—

(क) जब तक कि प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा स्पष्टता लिखित में छूट न दी गई हो, भूमिगत सभी कार्य स्थानों में और आग की जोखिम वाले अन्य सभी स्थानों पर उदाहरणरूपता कोयला भंडार, कार्बनयुक्त सामग्री वाली फालतू मिट्टी के ढेर, तपन उत्पन्न करने वाली कोयला प्रभाव्य सतह आदि भी हैं, जो प्रभावी अग्निशमन के प्रयोजन के लिए पर्याप्त दाब पर जल की पर्याप्त मात्रा का प्रदाय करने के लिए परितः के प्रभावी साधनों की व्यवस्था की जाएगी और उन्हें बनाए रखा जाएगा ;

(ख) अग्निशमन उपस्करों के उपयुक्त प्रदाय के साथ अग्निशमन केंद्रों की स्थापना की जाएगी और अरातल पर और भूमि के नीचे दोनों में सुविधाजनक स्थानों में अनुरक्षित बनाए रखे जाएंगे ; और

(ग) बाष्प या अदृश्या धूल या बहूनीय अग्निशमकों की निम्नलिखित में व्यवस्था की जाएगी—

- (i) खान के प्रत्येक प्रवेश स्थान और उपयोग में आने वाली प्रत्येक अवतरण और गैट नली पर ;
- (ii) ऐसे प्रत्येक स्थान पर जहां काष्ठ, शीश, तेल या अन्य ज्वलनशील सामग्री संचित है ;
- (iii) प्रत्येक इंजन कक्ष, विद्युत गियर, सड़क मार्ग बाहक चालित युनिट डीजल इंजन अनुरक्षण कार्यशाला और भारण केंद्र, संचयन बैटरी आवेक्षण केंद्र, और
- (iv) आग की जोखिम वाले ऐसे अन्य विशेष स्थानों पर जो प्रबंधक द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं ।

(घ) जल प्रणाली, टोडियो, अग्निशमन केंद्र, पंपकेंद्र, संयान्त प्रणाली, बचाव मार्ग आदि को बर्तित करते हुए अद्यतन अग्निशमन आरेख बनाए रखे जाएंगे और उसकी एक प्रति खान कार्यालय और भूमि के नीचे खान में सुगम स्थानों में लगाई जाएगी । पर्याप्त संख्या में व्यक्तियों को अग्निशमकों के उपयोग और अग्निशमन सेवा में आ प्रशिक्षित किया जाएगा । ऐसे सभी व्यक्तियों की उच्च सतः आत्मरक्षण उपस्करों की विधि के बारे में ज्ञान कसया जाएगा जिनकी खान में व्यवस्था की गई है ।

(2)(क) मोडर्नाइज्ड प्रकार के अग्निशमक या पानी का प्रयोग तेल की या वैद्युत अग्नि को बुझाने के लिए नहीं किया जाएगा ।

(ख) फोन किस्म के अग्निशमकों का प्रयोग वैद्युत अग्नि बुझाने के लिए नहीं किया जाएगा ।

(ग) रसायनों से युक्त अग्निशमकों की, जो प्रचालित किए जाने पर विपैनी या अपायकर गैसों को छोड़ सकते हैं, व्यवस्था या उनका प्रयोग भूमि के नीचे नहीं किया जाएगा ।

परन्तु इस खंड की किसी बात में यह नहीं समझा जाएगा कि वह ऐसे अग्निशमकों का भूमि के नीचे प्रयोग प्रतिषिद्ध करती है जो बनाए जाने पर कार्बनडाईऑक्साइड छोड़ने हैं ।

(3)(क) कोई सक्षम व्यक्ति प्रत्येक मास में कम से कम एक बार ऐसे उपस्कर, सामग्री या प्रबंधों की परीक्षा करेगा जिनको अग्निशमन के लिए व्यवस्था की गई है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे उचित काम चलाऊ हात में रहे वह अग्निशमकों को जिनकी बार आवश्यक हो उतनी बार निस्सारित करेगा और पुनः भरवायेगा ।

(ख) किसी ऐसी परीक्षा के दौरान या यथा कोई कमी पाई जानी है तो उसे सुरत दूर किया जाएगा ।

(ग) ऐसी प्रत्येक परीक्षा, जिसमें निस्सारण और पुनः भरवाय शामिल है, की रिपोर्ट इस प्रयोजन के लिए रखी गई, जिसद्वारा पुष्ट संख्यांकित पुस्तक में रखी जाएगी और परीक्षा करने वाले व्यक्ति द्वारा उस पर हस्ताक्षर करके तारीख डाली जाएगी ।

23. विनियम 122 के उपविनियम (4) के खंड (क) में, “भूमि के नीचे तपन” शब्दों के पश्चात् “या गोफ या पुरानी खनितों के किसी क्षेत्र का मुंह बंद करने” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ।”

24. विनियम 123 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“123. धूल से बचने के लिए प्रावधानियां : (1) प्रत्येक खान का स्वामी, अधिकर्ता या प्रबंधक ऐसे कक्ष उभारगा जो धूल के उत्सर्जन को कम करने के लिए और ऐसी धूल के दहन के विरुद्ध भूमि के नीचे या भूतल कार्यस्थल से वायु में प्रवेश करती है, आवश्यक है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रचलन योग्य धूल के प्रति कार्यकारी का अनावृत्त रहना उस हद तक सीमित हो सके जो युक्तयुक्त रूप में साध्य है, किन्तु किसी भी वक्ता में यह उन सीमा से अधिक न हो सके जो व्यक्तियों के स्वास्थ्य के लिए हानिप्रद हो ।

(2) इस विनियम के प्रयोजन के लिए किसी व्यक्ति के कार्य करने या गुजरने या वहां होने के लिए कोई स्थान प्रज्ञातिकर हातन वाला नहीं समझा जाएगा, यदि आठ घंटे का समय जो वायु संहति पर्याप्ततया धूल का बजनीकृत औसत संकेन्द्र है, मुख्य निरीक्षक द्वारा माघारण या विशेष आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार अनुमोदित और अवधारित किस्म के गुरुत्वमार्फ धूल प्रतिबन्धक द्वारा संचालित गए वायु के प्रति क्यूबिक मीटर मिली ग्राम में बड़ा तीन से अधिक हो जाता है बड़ा निर्बंध स्वसनीय विद्यमान सिलिका 5 प्रतिशत से कम है और अन्य दशाओं में विद्यमान निर्बंध स्वसनीय सिलिका की प्रतिगता के साथ 15 अंक को विभाजित करके प्राप्त मूल्य ।

(3) (क) प्रत्येक खान का स्वामी, अधिकर्ता या प्रबंधक इस विनियम के प्रवृत्त होने के छह मास के भीतर और उसके पश्चात् बर्तमानकाल में छह मास में यह जमा करनी विधि आदेश द्वारा प्रादेशिक निरीक्षक ऐसी अपेक्षा करे, प्रत्येक ऐसे कार्य स्थान पर, जहां

वायुवाहित धूल विकसित होती है, यहाँ की वायु का पैरान तरंगों और उपमैग्नेटिक धूल के संकेन्द्रण अवधारित कर लें।

परन्तु यदि किसी कार्यस्थान पर किसी माप के संकेन्द्रण उपनिर्दिष्ट (2) में विनिर्दिष्ट अनुज्ञात संकेन्द्रण (जिसे इसमें हमने पश्चात् "अनुज्ञात सीमा" कहा गया है) पचास प्रतिशत या पञ्चदश प्रतिशत से अधिक प्रतीत होता है तो पश्चात्कर्ती माप ऐसे अनुज्ञात पर किए जाएंगे जो क्रमशः तीन मास या एक मास से अधिक का न हों।

परन्तु यह और कि ऐसे माप भी, किसी संयुक्त उपस्कर या मशीनरी के चालू किए जाने पर या किसी नवीन कार्य-स्थान के प्रारम्भ किए जाने पर या उसमें ऐसे परिवर्तन किए जाने पर जिससे वायुवाही व्यवस्थीय धूल के स्तरों में पर्याप्त परिवर्तन होने की सम्भावना हो, तुरन्त किए जाने चाहिये।

(ख) लिए गए नमूने यावत्माध्य कर्मचारियों के धूल प्रभावित स्तरों के द्योतक होंगे। इस प्रयोजनार्थ सैम्पलर की, धूल जनन विन्दु की विपरीत दशा में तथा प्रचालक या अन्य कर्मकार, जिसका प्रभावन उसके कर्मकारी समूह में अधिकतम मसह्रा जाए, की सामान्य काम करने की स्थिति के 1 मीटर के भीतर किन्तु उसके पीछे नहीं लगाया जाएगा।

(ग) नियत स्थान पर नमूना लेने के परिणामों पर आधारित कर्म-कारों के विभिन्न प्रवर्गों के लिए द्योतक धूल प्रभावित स्तरों का प्राकृतिक की जाणगी और प्रति जांच के साधन के रूप में स्थिर मानिटारिंग को ऐसे चूने हुए कर्मकारों की प्रवेशद्वार से प्रवेशद्वार तक वैयक्तिक मानिटारिंग द्वारा संभवतः अनुकूलित किया जाएगा जिनका प्रभावन उनके कर्मकारी समूहों का द्योतक समझा जाएगा।

(घ) सैम्पल ऐसे व्यक्ति द्वारा जिसे विशेष रूप से इस प्रयोजन के लिए प्रशिक्षित किया गया है, ऐसे सैम्पल लेने वाले उपस्करों और उप-साधनों के साथ लिया जाएगा जिनकी शृङ्खला अनुक्षण और कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए जांच पड़ताल कर ली गई हो और जिनकी परीक्षा, परीक्षण तथा अशांकन ऐसी तारीख को किया गया हो जो एक वर्ष से पहले की न हो।

(ङ) नमूनों में विद्यमान अन्तःश्वसनीय धूलों और पूर्णतया किसी कोयला संस्तर में की जा रही खुदाई के भिन्न किसी खुदाई से संगृहीत नमूनों की दशा में स्फटिक अंश यथासाध्य शीघ्रता से समुचित रूप से मुसज्जित एक ऐसी प्रयोगशाला में किया जायगा जो मुख्य निरीक्षक द्वारा हम निमित्त लिखित रूप में अनुमोदित की गई हो।

(च) वायुवाही व्यवस्थीय धूल के मापों के सभी परिणाम और सभी अन्य सुसंगत विधिचिह्नों सैम्पलों के संग्रह किए जाने की तारीख से चौदह दिन के भीतर इस प्रयोजन के लिए रखे गए पृष्ठ संयोजित जिल्दबद्ध बही में व्यवस्थित रूप में अभिलिखित की जाएंगी और चौबीस घंटे के भीतर पूर्वोक्त बही की प्रत्येक प्रविष्टि प्रबन्धक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित की जाएगी और तारीख डाली जाएगी।

(4) जब धूल को मापीटर करने के परिणामों से यह साबित हो जाता है कि किसी स्थान पर धूल संकेन्द्रण की अनुज्ञेय सीमा बढ़ गई है तब धूल के उत्सर्जन को कम करने के लिए तुरन्त कदम उठाए जाएंगे और प्रादेशिक निरीक्षक को अधिसूचित किया जाएगा। किन्तु यदि अन्तःश्वसनीय धूल का औसत संकेन्द्रण पश्चात्कर्ती मास के दौरान 7 क्रमवर्ती सामान्य कार्य-पारियों में लिए गए अमबद्ध नमूनों के अनुज्ञेय सीमाओं से डेढ़ गुना अधिक हो जाता है तो सुसंगत संक्रिया या संक्रियाएँ जिनसे अधिक धूल उत्पन्न होती है, बन्द कर दी जाएंगी। संक्रिया या संक्रियाएँ तब तक पुनः प्रारम्भ करने या चलाने नहीं दी जाएंगी जब तक कि धूल के निवारण और विरोध के लिए सुधार न कर लिए गए हों और उक्त संक्रिया या संक्रियाओं के पुनः प्रारम्भ किए जाने पर तुरन्त लिए गए नमूनों से यह साबित नहीं हो जाता कि ऐसे सुधारों का धूल संकेन्द्रण "अनुज्ञेय सीमा" से कम हो गया हो।

परन्तु यदि किसी मशीनरी या उपस्कर की धूल निवारण और विरोध युक्ति दक्षतापूर्वक कार्य करने में असफल रहती है तो उक्त मशीनरी या उपस्कर का संचालन उसी प्रकार बन्द कर दिया जायगा और जब तक पुनः प्रारम्भ नहीं किया जायगा जब तक कि उतने आर्द्र उप-वृष्टि की टोक नहीं कर लिया जाता है।

परन्तु यह और कि किसी ऐसी कार्य-स्थिति में, जहाँ शुद्ध रूप से संरक्षण के प्राकृतिक उपाय या अनुसूक्त उपाय के माप में, तकनीकी रीति से व्यवस्थीय धूल संकेन्द्रण को अनुज्ञात सीमा से नीचे रखना संभव नहीं है या किसी व्यक्ति को प्रतिस्थापित और चालू करने या पुनः निवारण या बन्द करने के लिए किसी नवीन कार्य-व्यवहार का संस्थापित करने के लिए आवश्यक छत्रवि के डीरा, अनुज्ञेय धूल प्रभावण-सीमा का अनुज्ञात सुदूर संक्रिया द्वारा या कार्य-व्यवहार द्वारा प्राप्त किया जा सकेगा और ऐसा करने में असफल रहने पर समुचित धूल-प्रतिरोध के प्रयोग द्वारा प्राप्त किया जा सकेगा।

(5) प्रत्येक ऐसी खात का स्वामी, अधिकारी या प्रबन्धक, जहाँ धूल-प्रवर्गों का व्यवस्थीयता हो सकती है, संबंधित कर्मकार-व्यक्ति की सागत के बिना उसके प्रयोग के लिए पर्याप्त संस्था में धूल-प्रवर्गों की धूल-प्रवर्गों की नियमित-सफाई, प्रिमकासन और दक्षतापूर्ण कार्यकरण की हालत में अनुक्षण करने की और प्रवर्गों की समुचित-किंदा हो और संबंध कर्मकारों को इसकी आवश्यकता और प्रयोग करने की पूर्ण रूप से प्रशिक्षण की व्यवस्था करेगा।

(6) धूल फैलने और एकत्रित होने और वायुवाही धूल के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित उपवर्ग प्रभावी होंगे, अर्थात्:—

(क) धूल का दमन, उसके जनने के क्षेत्र में जहाँ पर जारी हो, यथासंभव समीप किया जाएगा।

(ख) भूतल पर या भूतल से नीचे पत्थर-वर्तन या बोर करने के दौरान —

(i) ऐसे टुकड़ों को सीजन हो, और समुचित प्रकार के हों, का प्रयोग करके, टुकड़ों पर उपयुक्त ढाका डालकर और छिद्रों को कतरनों से साफ करके धूल के उत्पादन को कम किया जाएगा।

(ii) प्राकृतिक रूप से भोगी भूमि के निवारण, कतरनों का सीला करने के लिए पानी का जेट काटने वाले कितारों की ओर किया जाएगा या मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित उपनी हो पत्र युक्ति की व्यवस्था की जाएगी और वातावरण में धूल भरने से निवारण के लिए उसे प्रचालन में रखा जाएगा। जहाँ वायु संचालित ड्रिलिंग की जाए वहाँ संपीडित वायु का झिल के लिए उपयोग करने से पूर्व पानी खोप दिया जायगा। किन्तु जहाँ ड्रिलिंग हाय से की जाए वहाँ ऐसी ड्रिलिंग के दौरान सुरक्षाओं को निरन्तर आर्द्र रखना पर्याप्त होगा।

(ग) भूमितल पर या सतह के नीचे प्रत्येक सड़क, जहाँ जल-जनन मशीनरी कार्यरत हो नियमित रूप से सीनी रखी जाएगी या किसी अन्य उसी प्रकार की कार्यरत युक्ति द्वारा वातावरण में फैलने वाली धूल को कम करने के लिए प्रभावी ढंग से अभिक्रियान्वित किया जाएगा जिससे कि वातावरण में धूल न उठ पाए।

(घ) खनिजों या अयस्कों को छानने या छांटने के लिए कोई संयंत्र और यथाशक्य सिडर, सीमेंट, रेत, मोरटार या अन्य शुष्क और बारीक सामग्री की कोई ढेर किसी डाउन-कास्टशेड या अंतर्गृहीत वायुमार्ग के ऊपर 80 मीटर के भीतर नहीं रखा जाएगा, या ऐसी किसी सामग्री को इस प्रकार प्रयोग में नहीं लाया जाएगा जिससे कि यह वायुवाही हो जाए और ऐसे शेड या वायुमार्ग में निक्षेप न जमा जाए।

(द) धूमि के मोने की प्रशिक्षण बातें :-

- (i) ऐसे किसी मशीनरी या उपकरण को, जिसमें यन्त्रागत सीमा से अधिक धूल निकलने की संभावना है, जब तक नष्टी मरामा जायगा जब तक वह समुचित धूल निवारक धूमन की युक्ति में समुचित न हो और जब तक कि ऐसी सुविधा कारगर रूप से कार्य न कर रही हो।
- (ii) प्रत्येक यांत्रिक कोयला कर्तक पर पिकों के डिजाइन व्यवस्था, सामग्री और हावत ऐसी होगी जिससे कि धूल का बरसा कम से कम हो जाए और कोई यांत्रिक कोयला कर्तक जब तक प्रभावित नहीं किया जाएगा जब तक समुचित जल के छिड़काव या जल के जेट का उसके कटिंग किनारों पर रख न किया जाए जिससे कि कटिंग को नम किया जा सके जैसे ही वे बने।
- (iii) प्रत्येक कार्यरत सूख और उसके साठ मीटर के भीतर प्रत्येक सड़क या वायुमार्ग के तल, छत और किनारे जब तक पूरी तरह व्यापारिक रूप में सीने न हों, धूल एकत्रित होने से रोकने के लिए नियमित रूप से धुलाई की जाएगी और उन्हें काम की परिधियों के दौरान पूर्णतः सीला रखा जाएगा।
- (iv) किसी मशीनरी या संक्रिया से निकलने वाली धूल को साफ करने के लिए पर्याप्त वायु प्रवाह और धूल संकेन्द्रण को "अनुमान सीमा" में सीने रखने के लिए साधारण संवातन द्वारा और यदि आवश्यक हो स्थानीय संवातन द्वारा बनाए रखा जाएगा जिससे कि दशावस्था किसी गड़क मार्ग या कारवैधान में वायु की गति ऐसी न हो जिससे कि वातावरण में धूल उठे।
- (v) विमहोदय के पश्चात् कार्यस्थानों में जब तक प्रवेश नहीं किया जाएगा जब तक वायु प्रवाह द्वारा धूल धुले और गमय धुल के साफ हो जाने के लिए पर्याप्त समय न बीत गया हो तथा क्षति सामग्री को जब तक नहीं हटाया जाएगा, जब तक छल जल द्वारा पूरी तरह से सीला न कर दिया गया हो।
- (vi) कोयले के परिवहन के लिए प्रयुक्त पानों, टर्कों और कन्वेयरों को अच्छी हावत में रखा जाएगा जिससे कि अधिष्पन्न या रिसन कम हो सके। गुट्टों, सॉफिक कन्वेयरों, कन्वेयरों, रिक्लर्स कन्वेयर निर्वहन क्रियुक्त और बाहरी नदान और उत्तरान संस्थापनों का इस प्रकार नियंत्रण किया जाएगा जिससे कि धूल बनना न्यूनतम हो जाएगा। ऐसी सामग्रियों को यदि वे पूरी सीनी नहीं हो या धूल बबाने के ऐसी अन्य किसी युक्ति का प्रयोग नहीं किया जाए पूरी तरह से सीला भी किया जाएगा।
- (vii) जब तक कि विशेष कठिनाइयों के कारण, प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा इस निम्नलिखित रूप से छूट नहीं दी जाती है और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जिन्हें यह उसमें विनिर्दिष्ट करें, पाणियों में जल को पर्याप्त परिमाण में और पर्याप्त दबाव के अधीन और अलग से किरी, पंपिंग प्रणाली का भी उपबंध किया जाएगा और उम्मी हावत में बनाए रखा जाएगा जिससे कि धूल को अधिक से अधिक कारगर रूप से जाल किया जा सके।

(च) कोयले या पत्थरों के पीसने, तोड़ने, विघटित करने, तराशने, छांटने, ग्राइडिंग करने, छालने या सीविंग करने की किसी प्रक्रिया को या उससे यन्त्रागत किसी संक्रिया को किसी खान में जब तक नहीं किया जाएगा जब तक दक्षतापूर्वक पानी बने या अन्य समुचित और प्रभावी धूल नियंत्रण उपाय जैसे कि, जो अवसर करने बाड़ा लगाने, संवातन और धूल संग्रहण तक सीमित नहीं है, परिकल्पित, उपबन्धित, अनुश्रुत और प्रयोग नहीं किए जाने हैं।

(छ) धूमि के नीचे निष्कासित वायु को, जिसमें "अनुमान सीमा" से अधिक धूल हो, कारगर रूप से नष्ट किया जाएगा और यदि आवश्यक

हो तो कार्यस्थानों में उसे पुनः परिष्कृत करने में पूर्व या वातावरण में छोड़ने में पूर्व, इस प्रकार फिल्टरित किया जाएगा जिसमें कि उसमें की परमनीय धूल के संकेन्द्रण को "अनुमान सीमा" में दश प्रतिशत से सीने रखा जा सके।

(ज) किसी मशीनरी, उपकरण या प्रक्रिया द्वारा उत्पादित धूल के निवारण और बबाने के लिए तथा निष्कासित वायु को फिल्टर करने के लिए भी प्रयुक्त प्रत्येक युक्ति का और प्रत्येक धूल स्वमित का मात दित में कम से कम एक बार निरीक्षण किया जाएगा और प्रत्येक छह मास की अवधि में कम से कम एक बार पूरी परीक्षा और जांच की जाएगी और प्रत्येक ऐसी निरीक्षण, परीक्षा और जांच के परिणामों का रिपोर्ट की, उपविनियम (3) के खण्ड (छ) के अधीन रखे गए रजिस्टर में अभिलिखित किया जाएगा।

(7) प्रत्येक ऐसी खान का प्रबन्धक जहाँ वायुबाही धूल उत्पादित होती है, एक स्कीम बनाएगा और उसे कार्यान्वित करेगा जिसमें निम्नलिखित विनिर्दिष्ट होगा—

(क) नमूने लेने का अवस्थान, आधुनिक, समय, अवधि और पद्धति।
(ख) नमूने लेने के लिए प्रयोग किए जाने वाले उपकरण और उपसाधन।

(ग) प्रयोगशाला, जहाँ नमूनों की परमनीय धूल की अन्तर्गन्त और स्फटिक अन्तर्गन्त अवधारित की जाएगी।

(घ) रूप विधान जिसमें धूल-संकेन्द्रण के मापों के परिणाम और अन्य विनिर्दिष्टा यकिनिष्ठित की जाएगी।

(ङ) धूल मानिटर करने और धूल निवारण तथा उसे बबाने संबंधी उपायों और धूल प्रमितियों की परीक्षा और अनुक्षण के लिए संगठन; और

(च) धूल नियंत्रण उपायों के कार्यान्वयन से संबंध मभी व्यक्तियों को इस निम्नलिखित प्रत्येक द्वारा किए जाने वाले कार्य की प्रकृति में पूर्णतः सुपरिचित करने की रीति।

(8) प्रादेशिक निरीक्षक, जहाँ विशेष परिस्थितियां विद्यमान हो, एक लिखित आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करें, पूर्वमापी उपकरणों में या प्रबन्धक की स्वीम में, किसी परिवर्तन की अनुज्ञा दे सकेगा या अपेक्षा कर सकेगा।

(9) इस विनियम में निर्दिष्ट किसी बात के संबंध में किसी संका के उत्पन्न होने पर वह मुख्य निरीक्षक को विनिष्पन्न के लिए निर्दिष्ट की जाएगी।

25. उक्त विनियमों के विनियम 123-क के उपविनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

(1क) (क) खान के ऐसे प्रत्येक भाग को जो प्राकृतिक रूप से पूर्णतः सीला नहीं है या जो विस्फोट नोधी रोक में अलग नहीं किया गया है :-

- (i) बारीक अज्वलनशील धूल से, ऐसी रीति में और ऐसे अंतरालों पर अभिक्रियित किया जाएगा जिनसे सुनिश्चित हो कि फर्श, छत और किनारों पर धूल और किसी आलव या संरचना में कोयले के सस्तरों की बग में, जिनमें वाष्पशील पदार्थ (शुष्क और गमय रहित अवधार पर) 30 प्रतिशत से कम है, अज्वलनशील पदार्थ का मिश्रण हरेणा 75% से कम नहीं होगा और ऐसे कोयले के सस्तरों की बग में, जिनमें ऐसे वाष्पशील पदार्थ के 30 प्रतिशत से अधिक है, अज्वलनशील पदार्थ 85 प्रतिशत से कम नहीं होगा, या

(ii) पानी से ऐसी रीति में और अवस्थाओं पर अभिक्रियित किया जाएगा जिससे सुनिश्चित हो कि फर्श, छत और किनारों पर पानी और किसी अव्यव या संरचना पर सदैव प्रयोजनमिश्रण में जल भार के आधार पर 30 प्रतिशत में संयोजन में कम नहीं होगा ; या

(iii) ऐसी रीति में अभिक्रियित किया जाएगा जो प्रादेशिक निर्देशक लिखित रूप में आदेश द्वारा अनुमोदित करे।

(ख) इस उपविनियम के प्रयोजन के लिए प्रयोग की गई अव्यवस्था-शील धूल -

(i) ऐसी होगी कि उसमें मुक्त गिरिका 5 प्रतिशत से अधिक न हो ;

(ii) इसकी बारीकी और ऐसे स्वरूप की होगी कि वह वायु में आसानी से बिखरने योग्य हो और यह कि जब उन स्थानों में प्रयोग की जाए, जो परत में जल द्वारा प्रत्यक्षनः गीले नहीं किए गए हैं, वह पित्रनयन, किन्तु जब मूख से या किसी समुचित गाधित्र द्वारा उड़ाई जाए, तो वायु में बिखर जाती है ; और

(iii) यथासाध्य रंग में हल्के रंग की होगी।

(ग) ऐसी कोई भी अव्यवस्थाशील धूल प्रयोग नहीं की जानी रहेगी यदि वह परीक्षणों में, जो प्रत्येक तीन मास में कम से कम एक बार किए जाएंगे, पूर्वगामी अवस्थाओं के अनुरूप नहीं पाई जाती है :

परन्तु जब किसी खान में प्रयोग की जाने वाली अव्यवस्थाशील धूल का प्रदाय किसी नियमित स्रोत से नहीं है, तो जब भी अव्यवस्थाशील धूल का नया प्रदाय प्राप्त होता है तो परीक्षण किए जाएंगे।

(घ) यदि कोई स्थान या खान का भाग अव्यवस्थाशील धूल से अभिक्रियित किया जाना है, तो —

(i) अव्यवस्थाशील धूल से अभिक्रियित करने से पूर्व, सभी कोयले की धूल यथाशक्य छत, किनारों, फर्श, छायाधार, काग, छतें, विभाजक कपड़ा या कोई अन्य वस्तु या संरचना या स्थान से, जिस पर कोयले की धूल जमा हो जाए, साफ की जाएगी और इस प्रकार एकत्रित होने वाली सभी धूल 24 घंटे के भीतर सतह पर ढलाई जाएगी ;

(ii) अव्यवस्थाशील धूल पर्याप्त मात्रा में और ऐसे अन्तरालों पर जो, उपविनियम (1)(ख) के उपबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हों, वस्तुओं, संरचनाओं और स्थानों पर फैलाई जाएगी ;

(iii) वायु के बहने की दिशा में कोयले की धूल की सफाई की जाएगी और अव्यवस्थाशील धूल फैलाई जाएगी ;

(iv) अव्यवस्थाशील धूल का पर्याप्त प्रदाय, खान के उपयुक्त स्थानों पर सुगमता से उपलब्ध होगा और भूमि के नीचे धूल के प्रदाय में कोई भी कमी तुरन्त प्रत्यक्ष के ध्यान में लाई जाएगी ; और

(v) भिन्न-भिन्न स्थानों में कटड़ा लगाई गई और खान में कड़ाहों पर या धूल रोशनों में रखी गई अव्यवस्थाशील धूल, जब कभी वह सुगमता से बिखरने योग्य नहीं है या उस पर कोयले की धूल की परत आ जाती है, बदल दी जाएगी।

26. उक्त विनियमों के विनियम 123-ख में,—

(i) उपविनियम (1) में, "विनियम 123" शब्द और अंकों के स्थान पर "विनियम 123 और 123-क" हैं शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे,

(ii) उपविनियम (1) में,—

(अ) खण्ड (ख) में, "24 घंटे" अंकों और शब्द के स्थान पर "20 घंटे" अंक और शब्द रखे जाएंगे ;

(आ) खण्ड (ग) में, "विनियम 123(5)(ख)" शब्द, अंकों, कोष्ठकों और अक्षर जहां कहीं वे आते हैं, के स्थान पर "विनियम 123क(1क)(क)" शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक रखे जाएंगे।

(iii) उपविनियम (5) में, "विनियम 123(5)(ख)" शब्द, अंकों, कोष्ठकों और अक्षर के स्थान पर "विनियम 123क, (1 क) (क)" शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक रखे जाएंगे।

27. उक्त विनियमों के विनियम 127 में,—

(i) उपविनियम (1), (2) और (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखे जाएंगे, अर्थात् —

"(1) प्रत्येक खान में उसी खान का पार्श्वस्थ खान की खुदाइयों से जब वे गीली हो जाएं पानी या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य सामग्री के फूट निकलने को रोकने के लिए, जिसके बहने की संभावना है, और जाल के लिए बोर छिद्र प्रवेष्टित करने समय या पानी या अन्य द्रव पदार्थ निकलने के समय होने वाली धूलदानाओं को रोकने के लिए उचित व्यवस्था की जाएगी।

(2) जहां निम्नलिखित में कार्य किया जा रहा है —

(क) (i) किसी अन्य सीम या सैक्शन के नीचे कोई सीम या सैक्शन ; या

(ii) किसी सीम या सैक्शन के नीचे के ऐसे स्थान में जो किसी निम्नतर सीम या सैक्शन के किसी स्थान से निम्नतर तल पर है ; या

(iii) किसी सीम के, जो वरार के समीप है जो किसी ऐसे उपरि-सीम या सैक्शन से होकर गुजरती है जो पानी या अन्य द्रव पदार्थ के संचय से युक्त है या हो सकता है, या किसी ऐसे अन्य द्रव पदार्थ से युक्त है जिसके गीला होने की दशा में बहने की संभावना है, किसी स्थान में ;

(ख) किसी जल वायु स्तर में, सभी उपयोगी सूचनाएं जिनके अंतर्गत उदाहरणित लक्षणों की स्थिति, विस्तार और गहराई भी है अर्जित की जाएगी और उनका अभिलेख रखा जाएगा तथा पानी या अन्य द्रव पदार्थ या किसी अन्य सामग्री के फूट निकलने को रोकने के लिए, जो गीला होने की दशा में बहती हो, कार्यकरण की एक स्कीम बनाई जाएगी और उसे कार्यान्वित किया जाएगा।

(3) उपविनियम (1) और उपविनियम (2) की अपेक्षाओं पर प्रतिकूल प्रभाव होने बिना, जब कोई खुदाई किसी अन्य खुदाई के (जो ऐसी खुदाई नहीं है जिसकी परीक्षा की जा चुकी हो और जो पानी या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य सामग्री के संचय से युक्त पाई गई है, जिसका गीला होने पर प्लावन संभाव्य है) 60 मीटर के अंदर पहुंच जाए, चाहे वे उसी खान में हो या किसी पार्श्वस्थ खान में हों, तब तक उसका और आगे बिस्मर प्रादेशिक निर्देशक को लिखित पुर्य अनुज्ञा और उन शर्तों के अधीन हो, जो वह उसमें निर्दिष्ट करे, किया जाएगा अन्यथा नहीं।

स्पष्टीकरण : इस उपविनियम के प्रयोजन के लिए उक्त खुदाइयों के बीच की दूरी से अभिप्रेत होगी, यथास्थिति एक ही सीम की खनितों या किन्हीं दो सीमों या सैक्शनों की न्यूनतम दूरी, चाहे वह किसी भी दशा में नापी जाए, अर्थात् वायु क्षैतिज रूप में नापी जाए या ऊर्ध्वधर या अर्धस रूप में।

- (ii) उपविनियम (6) के खंड (क) में "गभी गेसे बोर छिद लेंगे" शब्दों के पश्चात् "एक दूसरे के पर्याप्त रूप से समीप यह सुनिश्चित करने के लिए प्रवेष्टित किए जाएंगे कि उनके अपवृष्ट में छिद न हो सके जिससे कि दुर्घटना के समय पानी या द्रव पदार्थ या कोई अन्य सामग्री उन खुराहियों में से जब वे गीली हों और उनका फूट निकलना संभाव्य हो बहकर न जा सके" शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे।

28. उक्त विनियमों के विनियम 136-क के नीचे की मारपी में, स्तम्भ 1 में "प्रथम डिग्री" शब्दों के स्थान पर "प्रथम, द्वितीय या तृतीय डिग्री" शब्द और "द्वितीय डिग्री" शब्दों के स्थान पर "प्रथम या द्वितीय डिग्री" शब्द रखे जाएंगे :

29. उक्त विनियमों के विनियम 146 में,—

- (i) उपविनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(i) कोई भी खान या गैलरी, निकटतम संयोजन संयोजन से 4.5 से मीटर से अधिक दूरी तक विस्तारित नहीं की जाएगी जब तक कि वायु प्रवाह अग्नि प्रतिरोधी पारंपो. ड्यूवों, विभाजकों या अन्य सामग्री के माध्यम से मुख के 4.5 मीटर के भीतर किसी स्थान तक नहीं पहुंचता है।"

- (ii) उपविनियम (7) और (8) का लोप किया जाएगा।

30. न विनियमों के विनियम 149 का लोप किया जाएगा।

31. उक्त विनियमों के विनियम 194 के उपविनियम (1) में, "119 (2)" शब्दों और कोष्ठकों के स्थान पर "118-क (3) (4), 119 (2) (क) और 120 (3) (क)" शब्द, अक्षर और कोष्ठक रखे जाएंगे।

32. उक्त विनियमों के विनियम 204 में,—

- (i) पार्श्व शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित पार्श्व शीर्षक रखा जाएगा, अर्थात् "समिति को अधीन।"

- (ii) उपविनियम (1) में —

(क) "मुख्य निरीक्षक के नीचे विनिर्दिष्ट किंगो आदेश के विरुद्ध" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे अर्थात् :—

"इन विनियमों के अधीन मुख्य निरीक्षक द्वारा किए गए किसी मूल आदेश के विरुद्ध या मुख्य निरीक्षक द्वारा किए गए किसी मूल आदेश के विरुद्ध या मुख्य निरीक्षक द्वारा प्रादेशिक निरीक्षक के आदेश के विरुद्ध किसी अपील पर विनियम 203 के अधीन प्राप्ति किसी आदेश के विरुद्ध।"

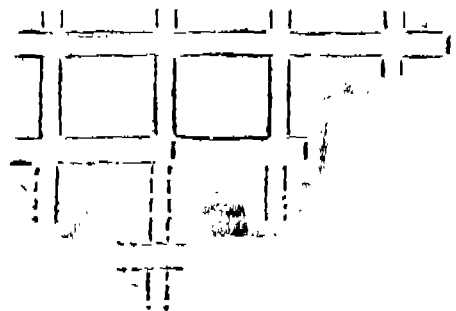
(ख) खंड (i) और (ii) का लोप किया जाएगा।

33. उक्त विनियमों के दूसरी अनुसूची में विनियम 58 के अधीन "नभ और गैलरिया" नाम के सामने विद्यमान प्रतीक और प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

प्रतीक

टिप्पणियाँ

विद्युत् रेखाओं द्वारा वर्णित खुराहियों का सर्वेक्षण नहीं किया गया है और उनका विस्तार गृह रूप में शान्त नहीं है।



[फाइल सं. एम-66012/6/184/86-एम.-1 एल एम एच]
प्रारं. टी. पाण्डेय, उप-सचिव

MINISTRY OF LABOUR

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th June, 1990

G.S.R. 550(E):—Whereas the draft of certain regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957 was published under sub-section (1) of section 59 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), [(I) in the Gazette of India, Part II Section 3(i) dated the 23rd June, 1988 and (II) in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3(i), dated the 15th July, 1988] under the respective notifications of the Government of India in the Ministry of Labour Nos. 732 dated the 23rd June, 1988 and S.O. 787 (E) dated the 15th July, 1988, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of a period of three months from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazettes were made available to the public on the 1st August, 1988 and 23rd August, 1988 respectively;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 57 of the said Act, the Central Government, after referring the said draft to the Committee constituted under the said Act and after giving it a reasonable opportunity of reporting as to the expediency of making

of the said regulations and as to the suitability thereof as required by Sub-section (4) of Section 59 of the said Act, hereby makes the following regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Coal Mines (Amendment) Regulations, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In regulation 2 of the Coal Mines Regulations, 1957, (hereinafter referred to as the said regulations), after clause (34) the following clause shall be inserted, namely:—

“(34-A) “Working” means any excavation made or being made in a mine for search of or obtaining coal.”

3. After sub-regulation (10) of the regulation 11 of the said regulations, the following proviso shall be inserted, namely:

“Provided that if at any meeting there is no quorum as aforesaid, the meeting shall automatically stand adjourned to a date which is seven days later or if that day is a public holiday to the next working day and the time, place and agenda for the adjourned meeting shall remain unchanged. It shall thereupon be lawful to dispose of the business at such meeting irrespective of the number of members attending.”

4. In regulation 15 of the said regulations:

(i) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(2) No person shall be admitted as a candidate to any examination for Manager's, Surveyor's, Overman's or Sirdar's Certificate unless he has passed the Secondary School examination of a recognised Board or its equivalent, and for an Engine-driver's or Shotfirer's Certificate unless he satisfies the Board that he is literate:

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to debar a person not satisfying the provisions thereof from being admitted at an examination for a Sirdar's Certificate on or before the 1st day of January, 1992, if he had been admitted at an examination for the said Certificate earlier.”

(ii) sub-regulation (2A) shall be omitted.

5. For regulation 20 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely:—

“20. Fees for grant of certificates: (1) Fees on the following scale shall be paid in respect of every application for the grant of a certificate:

- (a) in the case of a First Class Manager's Certificate. .Rs. 100.00
- (b) in the case of a Second Class Manager's Certificate. .Rs. 75.00
- (c) in the case of a Surveyor's Certificate. .Rs. 50.00
- (d) in the case of an Overman's Certificate. .Rs. 50.00
- (e) in the case of a Sirdar's Certificate. .Rs. 30.00
- (f) in the case of a I Class Engine-driver's Certificate. .Rs. 30.00
- (g) in the case of a II Class Engine-driver's Certificate. .Rs. 25.00
- (h) in the case of a Shot-firer's Certificate. .Rs. 25.00
- (i) in the case of Gas-testing Certificate. .Rs. 25.00
- (j) in the case of a Lamp-checker's Certificate. .Rs. 25.00

(2) Except where the candidate has died before the examination for grant of a certificate, fee paid as aforesaid shall not be refundable.”

6. In regulation 22, for the word “stipulate”, the word “prescribed” shall be substituted.

7. Regulation 25 of the said regulations shall be omitted.

8. For regulation 26 of the said regulations, the following shall be substituted, namely:—

“26. Suspension or cancellation of Manager's, Surveyor's, Overman's, Sirdar's, Engine-driver's Shot-firer's or Gas-testing Certificates:—(1) If the Regional Inspector is of the opinion that the holder of a Manager's, Surveyor's, Overman's, Sirdar's, Engine-driver's Shot-firer's or Gas-testing Certificate is incompetent or is

guilty of negligence or misconduct in the performance of his duties under the Act or under these regulations, he shall bring the matter to the notice of the Board.

The Board may authorise in writing an Inspector, not being and not below the rank of the Inspector whose report formed the basis of the said opinion, to hold an enquiry to determine whether or not such a person (hereinafter referred to as the delinquent) is fit to continue to hold such certificate. The Board shall, before the beginning of the enquiry, furnish to the delinquent a statement of the case on which the enquiry is instituted.

(2) During such enquiry the Inspector authorised to conduct the enquiry shall be provided with all relevant documents and he shall record:

- (a) the evidence of any witness that formed the basis of the said opinion;
- (b) any evidence that the delinquent may like to give;
- (c) the evidence of any witness that the delinquent may like to produce;
- (d) the evidence of Manager of the mine; and
- (e) any other evidence that may be considered necessary or relevant by the Inspector conducting the enquiry.

Unless the delinquent fails to be present in spite of sufficient notice, the evidence aforesaid shall be recorded in the presence of the delinquent and he shall be given a reasonable opportunity to cross-examine the witness (other than those produced by him). The Inspector conducting the enquiry also may cross-examine the delinquent and the witnesses.

(3) The Inspector who conducted the enquiry shall, within fifteen days from the date of conclusion of his enquiry, send a report to the Board together with his findings, the notes of evidence recorded during the enquiry and other relevant records.

(4) Copies of the notes of evidence and the findings of the Inspector who conducted the enquiry shall also be sent to the delinquent who may submit his written representation to the Board within thirty days from the date of despatch of such copies.

(5) The Board may, after considering the evidence and other records and the written representation, if any, submitted by the delinquent, either cause further enquiry to be made in the case and thereupon, or otherwise, either exonerate the delinquent of the charges against him or suspend or cancel the certificate, as it deems fit.

(6) Against any order of the Board under this regulation, an appeal shall lie before Central Government within 30 days of the order.

(7) Where a certificate is suspended or cancelled under this regulation suitable endorsement may be made on such certificate or a duplicate thereof issued under regulation 23."

9. In regulation 31 of the said regulations, the second proviso to sub-regulation (2) and the words "or of Regulation 149," occurring in sub-regulation (3), shall be omitted.

10. After regulation 32 of the said regulations, the following regulations shall be inserted, namely:—

"32-A. Qualifications and appointment of ventilation officer. In every mine consisting of gassy seams of first degree, the average output of which exceeds 5,000 tonnes or of second or third degree the average output of which exceeds 2,500 tonnes, the manager shall be assisted in the work of supervising the maintenance of the ventilation system of the mine in accordance with the provisions of these regulations by a ventilation officer who shall be a person holding the following qualifications:—

(a) in the case of a mine consisting of gassy seams of first degree and having an average output in excess of 15,000 tonnes or a mine consisting of gassy seams of second or third degree and having an average output in excess of 10,000 tonnes, a Manager's Certificate; and

(b) in every other case, a Manager's Certificate or a Degree, Diploma or Certificate in Mining or Mining Engineering approved for the purpose of the proviso to sub-regulation (1) of regulation 16.

Provided that, where special conditions exist, the Regional Inspector may, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, permit or require the appointment of a ventilation officer in variance of

these provisions or require the appointment of such number of persons to assist the ventilation officer, as may be specified in the order:

Provided further that, in the case of a mine consisting of gassy seams of first degree and having an average output less than 15,000 tonnes, the Regional Inspector may, considering the nature and extent of working therein, permit, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein combining of the post of ventilation officer with that of safety officer appointed under regulation 31-A.

Explanation:—For the purpose of this regulation the expression “average output” means the average per month of the total output during the preceding financial year from the below-ground workings of all seams. Where the mine consists of gassy seams of different degrees, the aforementioned average output shall be deemed to be from the seam or seams of the highest degree of gassiness.”

11. After sub-regulation (1) of regulation 34 of the said regulations, the following sub-regulation shall be inserted, namely:—

“(1A) The district assigned to an overman under sub-regulation (1) shall not be of such a size, nor shall any additional duties other than his duties under these regulations be such, as are likely to prevent him from carrying out in a thorough manner the duties prescribed for him under these regulations and in case any doubt arises as to the foregoing duties it shall be referred to the Chief Inspector for decision.”

12. In sub-regulation (8) of regulation 41 of the said regulations, for the words “of the site of the accident showing details, shall be recorded in a bound-paged book kept for the purpose” the words “and sections and wherever practicable a photograph or photographs of the site of the accident showing details shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose and a copy thereof shall be furnished to the Chief Inspector and Regional Inspector within fifteen days of the accident” shall be substituted.

13. In sub-regulation (2) of the regulation 41 A of the said regulations, for the word “if” the words “Except in an emergency, no duties other than those specified above shall be assigned to

the safety officer and whenever” shall be substituted.

14. In sub-regulation (2) of regulation 42A of the said regulations, for the word “if” the words “Except in an emergency no duties other than those specified above shall be assigned to the ventilation officer and whenever” shall be substituted.

15. In regulation 100 of the said regulations:—

(i) in sub-regulation (1), for the words “Chief Inspector”, the word “Regional Inspector” shall be substituted.

(ii) sub-regulation (4) shall be omitted.

(iii) in sub-regulation (5) after the words, “as small an area of uncollapsed roof as possible”, the words, “with due regard to danger from an airblast or weighing on pillars” shall be inserted.

16. In regulation 103A of the said regulations:

(a) in sub-regulation (1), after the existing proviso the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that an entry made in the register or the absence of an entry therein as also a communication in pursuance with the aforesaid proviso or absence thereof shall not in any way limit the duties or obligations of a person under the Act or the regulations, rules, bye-laws or orders made thereunder.”

(b) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted namely :—

“(2) When an entry is made in the register—

(a) the owner, agent and manager shall each be deemed to know what is contained in that entry; and

(b) a copy thereof shall be displayed within three days of the date of such entry on the notice board of the mine for not less than fifteen days.”

(c) after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(4) The register—

(a) shall be kept available for inspection in the office of the mine for a period of at least three years after the date of making of the last entry in it; and

(b) shall not be removed therefrom before the expiry of the aforesaid period, except by or with the approval in writing of the Regional Inspector.

17. In regulation 108 of the said regulations —

(i) after clause (b) of sub-regulation (1), the following clause shall be inserted, namely :—

“(bb) every development working within 10 metres of face and every junction of roadways immediately outbye of a development face;”

(ii) for sub-regulations (2) and (3), the following sub-regulations shall be substituted namely :—

“(2) The manager of every mine having workings below ground shall, before commencing any operation specified in sub-regulation (1) and also when required by the Regional Inspector, frame, with due regard to the physico-mechanical properties of strata, local geological conditions, system of work and mechanisation, and past experience, and enforce Systematic Support Rules specifying in relation to each working place the type and specifications of supports and the intervals between,—

- (i) supports on roadways including places where machinery is used for cutting, conveying or loading;
- (ii) each row of props, roof bolts or other supports;
- (iii) adjacent rows of props, roof bolts or other supports;
- (iv) last row of supports and the face;
- (v) hydraulic chocks and powered supports; and
- (iv) the pack and the face;

Provided that, in respect of a mine where development operations are already in progress, the Systematic Support Rules in relation to the working places specified in clauses (bb) and (c) of sub-regulation (1) shall be framed and enforced within 15 days of the date of coming into force of this sub-regulation.

(3) The manager shall, at least 30 days before the commencement of any operation specified in sub-regulation (1) and subject to the proviso to sub-regulation (2) submit a copy of the Systematic Support Rules to the Regional Inspector who may, at any time, by an order in writing, require such modification in the Rules as he may specify therein

(iii) In sub-regulation (4), the words “framed and approved as aforesaid” and the word “other” shall be omitted.

(iv) after sub-regulation (5) the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(6) The manager shall formulate and implement a code of Standing Orders specifying—

(a) the system and the organisation for procurement and supply of supports of suitable material, of adequate strength and in sufficient quantity where these are required to be readily available for use;

(b) the method of handling including dismantling and assembling where necessary and transportation of the supports from the surface to the face and from the face line to their new site;

(c) the system and the organisation for maintenance and checking of supports, dressing the roof and sides, erecting, examining and re-tightening of supports and re-erecting dislodged supports, including the use of appropriate tools;

(d) the panel of competent persons for engagement as substitutes in the event of a regular supportsmen or dresser absenting from duty; and

(e) the manner of making all concerned person such as, loaders, dressers, supportsmen, shortfirer, sirdars, overmen and assistant managers including persons empanelled for engagement as substitute supportsmen or dresser fully conversant with the Systematic Support Rules and the Codes of Standing Orders under this sub-regulation and under regulation 110 and the nature of work to be performed by each in that behalf”.

18. For regulation 109 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :

“109. Setting of supports.—(1)(a) Every prop shall be set securely and on a sound foundation, and shall be kept tight against the roof.

(b) Where a prop is set on sand or other loose material, a flat base-piece not less than 5 centimetres in thickness 25 centimetres in width and 75 centimetres in length shall be used.

(c) The lid used over a prop shall have a width not less than the diameter of the prop, a thickness not less than 8 centimetres and a length not less than 50 centimetres.

(2) Every bar set for supporting the roof of a roadway shall be set securely on props or on cogs or on steel clamps of suitable design and adequate strength, securely fixed on the sides of the roadway or in holes at least 50 centimetre deep made in the sides of the roadway and shall be made and kept tight against the roof. Where lagging is necessary the number of laggings shall not be less than one for every metre length of the bar and the laggings shall be made and kept tight against the roof.

(3)(a) Every cog used as a support shall be well-built and set on the natural floor or on a secure foundation, and shall be made and kept tight maintaining maximum possible contact against the roof.

(b) Only rectangular pieces shall be used as members of a cog, so however that, in case of timber it shall be sufficient to joggle two opposite sides.

(c) The cogging members shall be not less than 1.2 metres in length.

(d) Before erecting cogs in a depillaring area, props shall be erected at the corners of each cog.

(4) In inclined seams the supporting props and cogs shall be so set as to ensure maximum support having regard to the inclination of the seam or roadway and probable strata movement. Where necessary such supports shall be re-inforced to prevent displacement.

(5) Every ledge and every prominent crack or slip in the roof shall be kept supported with at least a pair of cogs or cross-bars suitable lagged.

(6) Overhanging sides shall be dressed down. Where this is not practicable, stay props or other suitable means of support shall be erected at intervals not exceeding one metre.

(7) Where sand or other material is slowed or a pack is formed for the purpose of support, it shall be packed or made as tight against the roof as practicable over its whole area.

(8)(a) Roof and sides and supports shall be tested as often as necessary; and except where it is no longer necessary for purposes of support, any support loosened, broken or dislodged by or removed in any operation shall be tightened, replaced or re-set with the least possible delay and particularly before persons are allowed to pass or resume work after an interruption. Where floor

coal or roof coal is taken, shorter props shall be replaced with longer props.

(b) In every place wherein roof coal is taken or a fall of roof or sides has occurred, no work of cleaning the dislodged coal or the fall or any part thereof shall be undertaken nor shall any person be allowed to pass, until the newly exposed roof and sides in the vicinity thereof have been examined and made safe, if necessary, by temporary supports.

(9) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (8), only such minimum number of persons may be engaged under the supervision of a sirdar or overman as may be necessary for securing the roof and sides thereat.

(10) Where roof bolts are used for support, the bolts shall be securely fixed in place.

(11)(a) Powered supports, hydraulic chocks or link-bars shall be advanced as soon as practicable after a web of coal has been taken off the face so as to ensure that the area of unsupported newly exposed roof is kept to a minimum.

(b) Powered supports, hydraulic chocks and props and friction props shall be set securely and checked from time to time. When any defect is detected in any powered support or hydraulic chock the same shall be attended to as soon as possible and until then the roof at that place shall be kept effectively supported with conventional supports. Any defective hydraulic or friction prop shall be replaced immediately.

(c) Where, by reason of any irregularity in the roof, floor or sides or due to any other reasons, any powered support or hydraulic chock become ineffective, conventional supports in sufficient number shall be used."

19. For regulation 110 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

"110. Withdrawal of supports.—Whenever supports are to be withdrawn, the withdrawal shall be done in accordance with the method which shall be specified in the Manager's Standing Orders. The standing orders shall cover,

(a) the supply and use of appropriate tools and safety contrivances;

- (b) the setting of extra supports to control the collapse of roof from which supports are being withdrawn;
- (c) the sequence of withdrawal of supports; withdrawal of a cog to precede withdrawal of its corner props;
- (d) safe positioning of the persons engaged in the operation and all other persons present nearby;
- (e) training of competent persons who are entrusted with the operations; and
- (f) supervision during withdrawal of supports.”

20. In regulation 118A of the said regulations :—

- (i) in clause (c) of sub-regulation (3), for the words “goaved out area” the words “goaved out area and unused workings” shall be substituted.
- (ii) proviso to sub-regulation (4) shall be omitted.

21. In regulation 119 of the said regulations :—

- (i) in clause (a) of sub-regulation (1) after the words “broken out”, the words “effective steps shall be taken, without delay, to deal with the fire or heating and” shall be inserted.
- (ii) for sub-regulation (2), the following sub-regulations shall be substituted, namely :—

“(2) During the whole time that any work of dealing with or sealing-off a fire or heating is in progress—

- (a) a competent person shall be present on the spot throughout;
- (b) adequate precautions shall be taken to prevent danger to persons from any noxious asphyxiating or inflammable gases; flame, steam and ejected or rolling down hot material; explosion of water gas and falling into crevices or pot holes that may occur in the area on fire;
- (c) there shall be kept available at or near all places below ground :—
 - (i) adequate number of self-rescuers and at least two smoke helmets or other suitable apparatus for use in emergency;
 - (ii) a cage containing suitable birds or other means of detecting carbon monoxide gas approved by the Chief Inspector; and
 - (iii) a flame safety lamp or other means of detecting carbon dioxide gas and oxygen deficiency, approved by the Chief Inspector.

(3) The manager of every mine shall prepare and establish a detailed scheme for the provision and

maintenance of suitable fire-fighting arrangements; for the prevention, detection, dealing and control of any heating or fire; for the examination and maintenance of the protective measures taken to control or isolate a fire or heating and for ensuring safety of persons engaged in the said operations. The scheme shall be suitably modified and kept updated as the situation warrants.”

22. For regulation 120 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

“120. Equipment and organisation for fire-fighting.—(1) In every mine :—

- (a) unless expressly exempted in writing by the Regional Inspector, effective means of delivering to all working places belowground and all other places of fire risk such as coal stocks, spoil heaps containing carbonaceous material and exposed coal surfaces liable to heating an adequate quantity of water at sufficient pressure for the purpose of efficient fire fighting shall be provided and kept maintained;
- (b) fire stations with a suitable supply of fire-fighting equipment shall be established and kept maintained at convenient points, both on surface and belowground; and
- (c) sufficient supply of sand or incombustible dust or suitable portable fire extinguishers shall be provided at :—
 - (i) every entrance to a mine or district and at every landing and shaft bottom in use;
 - (ii) every place where timber, grease, oil or other inflammable material is stored;
 - (iii) every engine room, electrical gear, driving unit of roadway conveyor, diesel engine maintenance workshop and filling station, storage battery charging station; and
 - (iv) such other special places of fire risk as may be specified by the manager.
- (d) an upto-date fire-fighting plan showing the water mains, taps, fire-stations, pumping stations, ventilation system, escape routes etc, shall be kept maintained and a copy thereof posted in the mine office and at convenient places belowground. Adequate number of persons shall also be trained in the use of fire-extinguishers and in fire-fighting. All such persons shall be made familiar with the position of all fire-fighting equipment provided in the mine.

2(a) Soda-acid type extinguishers or water shall not be used for fighting oil or electrical fires.

(b) Foam type extinguishers shall not be used for fighting electrical fires.

(c) Fire-extinguishers containing chemicals which are liable, when operated, to give off poisonous or

noxious gases, shall not be provided or used below-ground :

Provided that nothing in this clause shall be deemed to prohibit the use belowground of fire-extinguishers giving off carbon dioxide when operated.

(3) (a) A competent person shall, once at least in every month, examine all the equipment, material and arrangements provided for fire-fighting and shall discharge and re-fill the fire-extinguishers as often as may be necessary to ensure that these are in proper working order.

(b) Any deficiency found during any such examination or otherwise shall be immediately remedied.

(c) A report of every such examination including discharge and re-filling of fire-extinguishers shall be made in a bound-paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person making the examination."

23. In clause (a) of sub-regulation (4) of regulation 122, after the words "heating belowground", the words "or to seal off goaf or an area of old workings" shall be inserted.

24. For regulation 123, the following regulation shall be substituted, namely :—

"123. Precautions against dust.—(1) The owner, agent or manager of every mine shall take such steps as are necessary for the minimising of emissions of dust and for the suppression of dust which enters the air at any workplace belowground or on surface and for ensuring that the exposure of workers to respirable dust is limited to an extent that is reasonably practicable but in any case not exceeding the limits that are harmful to the health of persons.

(2) For the purpose of this regulation, a place shall not be deemed to be in a harmless state for persons to work or be therein if the 8 hours time-weighted average concentration of airborne respirable dust in milligrams per cubic metre of air sampled by a gravimetric dust sampler of a type approved by and determined in accordance with the procedure as specified by the Chief Inspector by a general or special order exceeds three where working is being made wholly in a coal seam or where free respirable silica present is less than 5 per cent and the value arrived at by dividing the figure of fifteen with the percentage of free respirable silica present in other cases.

(3) (a) The owner, agent or manager of every mine shall, within six months of the coming into force of this regulation and once at least every six months thereafter or whenever the Regional Inspector so requires by an order in writing, cause the air at every work place where respirable dust is evolved to be sampled and the concentration of respirable dust therein determined :

Provided that, if any measurement of any workplace shows the concentration in excess of fifty per cent or seventy-five per cent of the allowable concentration specified in sub-regulation (2) (hereinafter referred to as "permissible limit") the subsequent

measurements shall be carried on at intervals not exceeding three months or one month respectively :

Provided further that, such measurements shall also be carried on immediately upon the commissioning of any plant, equipment or machinery or upon the introduction of any new work practice or upon any alteration therein that is likely to bring about any substantial change in the levels of airborne respirable dust.

(b) The samples drawn shall as far as practicable, be representative of the levels of dust exposure of work-persons. For this purpose, the sampler shall be positioned on the return side of the point of dust generation and within 1 metre of the normal working position of but not behind the operator or other worker whose exposure is deemed to be maximum in his working group.

(c) Based on the results of fixed-point sampling the representative dust exposure profiles for different categories of workers shall be estimated and as a measure of cross-check the "static monitoring" shall be duly supplemented by "portal to portal personal monitoring" of selected workers whose exposure is deemed to be representative of their working groups.

(d) Samples shall be taken by a person who has been specially trained for the purpose in the sampling equipment and accessories that have been checked to ensure correct maintenance and efficient operation thereof and examined, treated and calibrated on a date which is not earlier than one year.

(e) Respirable dust content of the samples and in case of samples collected from a working other than the working being made wholly in a coal seam, quartz content shall be determined as soon as practicable at a properly equipped laboratory approved in writing by the Chief Inspector in that behalf.

(f) All results of measurement of airborne respirable dust and all other relevant particulars shall be systematically recorded within fourteen days of the date of collection of samples, in a bound paged book kept for the purpose, and every entry in the book aforesaid shall be countersigned and dated by the manager within twenty-four hours.

(4) When the dust monitoring results have established that the permissible limit of dust concentration is being exceeded at any place, immediate steps shall be taken to minimise the emission of dust and to notify the Regional Inspector. If, however, the average concentration of respirable dust in a series of 5 samples taken in 7 successive normal working shifts during the subsequent month exceeds one and a half times the "permissible limits", the relevant operation or operations causing excessive dust shall cease. The operation or operations shall not be resumed and allowed to be carried on until improvements have been made in the prevention and suppression of dust and fresh sampling carried out immediately on resumption of the said operation or operations has established that such improvements have reduced the dust concentration below the "permissible limit";

Provided that if the dust prevention and suppression device of any machinery of equip-

ment fails to operate efficiently the operation of the said machinery or equipment shall likewise cease and shall not be resumed until the defect therein has been rectified :

Provided further that, purely as a contingency measure or as secondary means of protection in a work situation wherein it is technically not feasible to reduce the respirable dust concentration below "permissible limit" or during the time period necessary to install and commission any device or to institute any new work practice for dust prevention or suppression, compliance with the permissible limit of dust may be achieved by remote operation or by a job rotation and fanning which by the use of suitable dust respirator.

(5) The power, agent or manager of every mine where need of dust respirators might arise, shall provide dust respirators in sufficient number and at no cost to the concerned workpersons for their use: for the dust respirators to be regularly cleaned, disinfected and maintained in efficient working order; and for the proper fitting of and for thorough training of the concerned workers in the need for and correct use of respirators.

(6) To prevent the liberation and accumulation of dust and the propagation of airborne dust, the following provisions shall have effect namely :—

- (a) dust shall be suppressed as close as possible to its source of formation;
- (b) during any operation of drilling or boring in stone on surface or belowground —
 - (i) the production of dust shall be reduced by using bits which are sharp and of proper shape, by keeping suitable pressure on the bits and by keeping the holes clear of the cuttings;
 - (ii) except in naturally wet ground, a jet of water shall be directed on to the cutting edge to wet the cuttings or other equally efficient device approved by the Chief Inspector shall be provided and kept in operation to prevent the atmosphere being charged with dust. Where pneumatic drilling is performed, water shall be turned on before turning on compressed air to the drill. When however, drilling is done by hand, it shall be sufficient if holes are kept constantly moist during such drilling;
- (c) every roadway on surface or belowground, where mobile mining machinery ply, shall be regularly wetted or shall be effectively treated with some other equally efficient agent to reduce dust being raised in the atmosphere to a minimum;
- (d) no plant for the screening or sorting of coal and as far as practicable, no heap of

cinder, cement, sand, mortar or other dry and fine material, shall be placed within 80 metres of the top of down cast shaft or intake air way nor shall any such material be so handled as to make it air-borne and drawn into any such shaft or such airway;

(e) in every mine belowground—

- (i) no machinery or equipment which is likely to emit dust in excess of "permissible limit" shall be operated unless it is equipped with a suitable dust prevention and suppression device and unless such device is operating efficiently;
- (ii) the design, arrangement, material and condition of picks on every mechanical coal cutter shall be such as to reduce the formation of dust to the minimum and no mechanical coal cutter shall be operated unless suitable water sprays or jets of water are directed on the cutting edges thereof so as to damp the cuttings as they are formed;
- (iii) every working face and the floor, roof and sides of every roadway or airway within 50 metres thereof shall be, unless naturally wet throughout, regularly washed down to prevent accumulation of dust and shall be kept thoroughly wetted during work shifts ;
- (iv) a current of air sufficient to clear away the dust emitted by any machinery or operation and to dilute the dust concentration below the "permissible limit", shall be maintained by means of general ventilation and if necessary, by local ventilation, so however, that, as far as practicable, the velocity of air in any roadway or workplace shall not be such as to raise dust in the atmosphere;
- (v) after blasting, working places shall not be entered unless sufficient time has elapsed for dust, smoke and fumes to be cleared by a current of air and the broken material shall not be moved unless it has been thoroughly wetted with water;
- (vi) vehicles, tubs and conveyors used for transport of coal shall be maintained in good condition so as to minimise spillage or leakage. Chutes, spiral conveyors, bins, tipplers, conveyor discharge points and skip loading and unloading installations shall be so controlled as to reduce the formation of dust to the minimum. Such material shall be also thoroughly wetted with water unless it is already wet or other effective means of dust suppression are used; and

- (vii) unless owing to special difficulties, exempted in writing by Regional Inspector in that behalf and subject to such conditions as he may specify therein, water in pipes in sufficient quantity and under adequate pressure and independent of any pumping system, shall be provided and maintained so as to get maximum efficiency in the allaying of dust.
- (f) no process of crushing, breaking, disintegrating, dressing, sorting, grinding, screening or sieving of coal or any operation incidental thereto, shall be carried out at any mine unless efficient watering or other appropriate and effective dust control measures, such as, but not limited to isolation, enclosure, exhaust ventilation and dust collection are designed, provided, maintained and used.
- (g) the exhausted air, belowground, which contains dust in excess of the "permissible limit" shall be efficiently diluted and if necessary filtered so as to reduce the concentration of respirable dust therein below ten per cent of the "permissible limit" before being recirculated into workplaces.
- (h) every device used for the prevention and suppression of dust produced by any machinery, equipment or process as also for the filtering of the exhausted air and every dust respirator shall be inspected once least in every seven days and shall be thoroughly examined and tested at least once in every period of six months and the results of every such inspection, examination and test shall be recorded in the register maintained under clause (f) of the sub-regulation (3).
- (7) The manager of every mine where airborne dust is generated shall formulate and implement a scheme specifying —
- (a) the location, frequency, timing, duration and pattern of sampling;
 - (b) the instruments and accessories to be used for sampling;
 - (c) the laboratory at which respirable dust content of samples and quartz content shall be determined;
 - (d) the format in which the results of measurements of dust concentration and other particulars are to be recorded;
 - (e) the organisation for dust monitoring and for the examination and maintenance of dust prevention and suppression measures and dust respirators; and
 - (f) the manner of making all persons concerned with the implementation of the dust control measures fully conversant with the nature of work to be performed by each in that behalf.
- (8) The Regional Inspector may, where special conditions exist, permit or require by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, any variation in the foregoing provisions or in the manager's scheme.
- (9) If any doubt arises as to any matter referred to in this regulation, it shall be referred to the Chief Inspector for decision."
25. After sub-regulation (1) of regulation 123A of the said regulations, the following sub-regulation shall be inserted namely :—
- "(1A)(a) Every part of a mine which is not naturally wet throughout or which is not isolated by explosion-proof stoppings shall be treated —
- (i) with fine incombustible dust in such manner and at such intervals as will ensure that the dust on the floor, roof and sides and any support or structure shall always consist of a mixture containing not less than that 75% of incombustible matter in case of coal seams containing less than 30% volatile matter (on dry ash free basis) and 85% of incombustible matter in case of coal seams containing more than 30% of such volatile matter; or
 - (ii) with water in such manner and at such intervals as will ensure that the dust on the floor, roof and sides and on any support or structure is always combined with not less than 30% by weight of water in intimate mixture; or
 - (iii) in such manner as the Regional Inspector may approve by an order in writing.
- (b) The incombustible dust used for the purpose of this sub-regulation shall be :—
- (i) such that it does not contain more than 5% of free silica;
 - (ii) of such fineness and character, that it is readily dispersable into the air and that, when used in places which are not directly wetted by water from the strata it does not cake but it is dispersed into the air, when blown upon with mouth or by a suitable appliance; and
 - (iii) as far as practicable light in colour.
- (c) No such incombustible dust shall continue to be used if it is found by tests which shall be carried out once at least in every three months, not to comply with the foregoing requirements :
- Provided that when the supply of incombustible dust used in a mine is not from a regular source, these tests shall be carried out whenever a fresh supply of incombustible dust is received.

(d) Where any place or part of the mine is to be treated with incombustible dust :—

- (i) before treating with incombustible dust, all coal dust shall be cleaned, as far as practicable, from the roof, sides, floor, props, cogs, bars, brattice cloth or any other objects or structure or place on which coal dust may deposit, and all dust so collected shall be removed to the surface within 24 hours.
- (ii) incombustible dust shall be spread on the objects, structure and places aforesaid in adequate quantity and at such intervals as may be necessary to ensure compliance with the provisions of this sub-regulation.
- (iii) the cleaning of coal dust and spreading of incombustible dust shall be carried out in the direction of the flow of the air;
- (iv) a sufficient supply of incombustible dust shall be kept readily available at suitable places in the mine, and any deficiency in the supply of dust underground shall immediately be brought to the notice of the manager; and
- (v) incombustible dust stacked at different places and kept on pans or on dust barriers in the mine shall be charged whenever it is no longer readily dispersable or whenever it becomes coated with coal dust, such dust shall be removed.”.

26. In regulation 123B of the said regulations :—

- (i) in sub-regulation (1), for the word and figure “regulation 123”, the word and figure and letter “Regulation 123 and 123A” shall be substituted.
- (ii) in sub-regulation (4), —
 - (A) in clause (b) for the figure and word “24 hours”, the figure and word “20 hours” shall be substituted.
 - (B) in clause (c) for the word, figures, brackets and letter “regulation 123(5)(b)” wherever used, the word, figures, brackets and letter “regulation 123A(1A)(a)” shall be substituted.
- (iii) in sub-regulation (5) for the word, figures, brackets and letter “regulation 123(5)(b)” the word, figures, brackets and letter “123A(1A)(a)” shall be substituted.

27. In regulation 127 of the said regulations :—

- (i) for sub-regulations (1), (2) and (3) the following sub-regulations shall be substituted, namely:—

“(1) Proper provision shall be made in every mine to prevent irruption of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet from the workings of the same mine or of an

adjoining mine and to prevent accidents while drilling bore holes for probe or release of a body of water or other liquid matter.

(2) Where work is being done in —

- (a) (i) any seam or section below another seam or section; or
- (ii) any place in a seam or section, which is at a lower level than any other place in a lower seam or section; or
- (iii) any place in a seam approaching a fault passing through an upper seam or section, which contains or may contain an accumulation of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet; or
- (b) any water-bearing strata, all useful information including the position, extent and depth of the abovementioned features shall be acquired and kept recorded and a scheme of working designed to prevent irruption of water or other liquid matter or any material which flows when wet shall be prepared and put into operation.

(3) Without prejudice to the requirements of sub-regulation (1) and sub-regulation (2), no working which has approached within a distance of 60 metres of any other working (not being the working which has been physically examined and found to be free from accumulation of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet) and whether in the same mine or in an adjoining mine, shall be extended further except with the prior permission in writing of the Regional Inspector and subject to such conditions as he may specify therein.

Explanation — For the purpose of this sub-regulation, the distance between the said workings shall mean the shortest distance between the workings of the same seam or between any two seams or sections, as the case may be, measured in any direction whether horizontal, vertical or inclined.”.

(ii) In clause (a) of sub-regulation (6) after the words “All such bore holes shall be”, the words, “drilled sufficiently close to each other to ensure that the advancing face will not accidentally hole through into a working containing water or liquid matter or any material that is likely to flow when wet and shall be” inserted.

28. In the Table under regulation 136A of the said regulations, in column 1, for the words “First degree”, the words “First, Second or Third degree” and for the words “Second degree”, the words “First or Second degree” shall be substituted.

29. In regulation 146, for the said regulations :—

- (i) for the sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(1) No working or gallery shall be extended to a distance of more than 4.5

metres from the nearest ventilation connection unless the current of air is coursed upto a point within 4.5 metres of the face, by means of fire resistant pipes, tubes, brattices or other material.”

- (ii) sub-regulations (7) and (8) shall be omitted.

30. Regulation 149 of the said regulations shall be omitted.

31. In sub-regulation (1) of regulation 194 of the said regulations, for the figures and brackets, “119 (2)”, the words, figures and brackets, “118A(3)(c), 119(2)(a) and 120(3)(a)” shall be substituted.

32. In regulation 204 of the said regulations :—

(i) for the marginal heading, the following marginal heading shall be substituted namely :—

“Appeals to the Committee.”

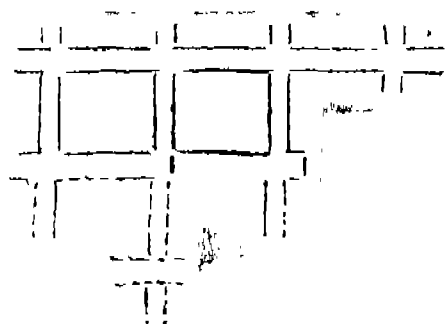
(ii) in sub-regulation (1) :

- (a) for the words “Against any order of the Chief Inspector specified below”, the words “Against any original order made by the Chief Inspector under any of these regulations or against any order passed under regulation 203 by the Chief Inspector on an appeal against Regional Inspector’s order” shall be substituted.

(b) clauses (i) and (ii) shall be omitted.

33. In the Second Schedule (under regulation 58) of the said regulations, against the NAME, “PILLARS AND GALLERIES” for the existing symbol and entries, the following shall be substituted, namely :—

SYMBOL	REMARKS
WORKINGS SHOWN BY DOTTED LINES ARE NOT SURVEYED AND THEIR EXTENT IS NOT CORRECTLY KNOWN	



[File No. S-66012|1&4|86-M1|LSH-II]
R. T. PANDEY, Dy. Secy.

